website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 01 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 12 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने इजरायल के पीएम नेतन्याहू से फोन पर की बात, इन मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी में निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और पारस्परिक लाभ के लिए इन संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

दोनों नेताओं ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया। पीएम मोदी ने गाजा शांति योजना के शीघ्र कार्यान्वयन सहित क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की। बता दें कि दोनों देशों के संबंध लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में पिछले महीने के अंत में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इजरायल की अपनी सफल यात्रा पूरी की, जिसके दौरान उन्होंने भारत-इजरायल रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से कई उच्च स्तरीय बैठक की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस यात्रा ने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को गहरा करने, प्रौद्योगिकी आधारित सहयोग को गति देने और रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में साझेदारी का विस्तार करने की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो भारत-इजरायल संबंधों के अगले चरण में एक महत्वपूर्ण कदम है। 20 से 22 नवंबर तक अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने तीन इजरायली मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं और इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री की इजराइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ हुई चर्चा में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर विचार-विमर्श हुआ। एक महत्वपूर्ण बात यह रही कि भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते के लिए संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर किए गए, जो संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम के लिए संरचित वार्ता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के साथ हुई चर्चा में अवसंरचना, खनन और इजराइल में भारतीय श्रमिकों के लिए अवसरों पर विचार-विमर्श हुआ, जबकि इजराइल के कृषि मंत्री एवी डिक्टर के साथ हुई चर्चा में इजराइल की दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा रणनीति, बीज सुधार प्रौद्योगिकियों और कृषि जल पुन: उपयोग में नेतृत्व पर बात हुई।

दिल्ली दंगे के आरोपी उमर खालिद को मिली अंतरिम जमानत, बहन की शादी में होना है शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगे के आरोपी उमर खालिद को अंतरिम जमानत मिल गई है। उसे बहन की शादी में शामिल होना है। 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक के लिए अंतरिम जमानत दी गई है। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि उमर को 29 दिसंबर की शाम को सरेंडर करना होगा। रिहाई की शर्तों के तहत अदालत ने निर्देश दिया है कि उमर खालिद सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेगा। किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेगा और वह केवल अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और दोस्तों से ही मिल सकता है।

14 दिसंबर से मांगी थी अंतरिम जमानत

जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद ने कड़कड़डूमा कोर्ट में अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। खालिद ने अपनी बहन के निकाह में शामिल होने के लिए 14 से 29 दिसंबर तक की अंतरिम जमानत की मांग की थी। याचिका में कहा गया कि 27 दिसंबर को उनकी बहन का निकाह है और परिवार के महत्वपूर्ण समारोह में उनकी उपस्थिति जरूरी है।

दिल्ली दंगे में 700 से अधिक लोग हुए थे घायल

सितंबर 2020 में दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप है कि उसने फरवरी 2020 में दिल्ली में बड़े पैमाने पर हिंसा की साजिश रची थी। इस मामले में यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत केस दर्ज किया गया है। खालिद के साथ शरजील इमाम और कई अन्य लोगों पर भी इसी मामले में साजिशकर्ता होने का आरोप है।

दिल्ली दंगों में कई लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

CAA–NRC विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी हिंसा

हिंसा की शुरुआत सीएए और एनआरसी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई थी, जहां कई स्थानों पर हालात बेकाबू हो गए थे। पिछली सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता (जो दिल्ली पुलिस का पक्ष रख रहे हैं) ने कहा था कि 2020 की हिंसा कोई अचानक हुई सांप्रदायिक झड़प नहीं थी, बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता पर हमला करने के लिए सुविचारित, सुनियोजित और योजनाबद्ध षड्यंत्र था। तुषार मेहता ने कहा था कि हमारे सामने यह कहानी रखी गई कि एक विरोध प्रदर्शन हुआ और उससे दंगे भड़क गए। मैं इस मिथक को तोड़ना चाहता हूं। यह स्वतःस्फूर्त दंगा नहीं था, बल्कि पहले से रचा गया था, जो सबूतों से सामने आएगा। एसजी मेहता ने दावा किया था कि जुटाए गए सबूत (जैसे भाषण और व्हाट्सएप चैट) दिखाते हैं कि समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की स्पष्ट कोशिश की गई थी। इसके साथ ही उन्होंने विशेष रूप से शरजील इमाम के कथित भाषण का जिक्र करते हुए कहा था कि इमाम कहते हैं कि उनकी इच्छा है कि हर उस शहर में चक्का जाम हो जहां मुसलमान रहते हैं। खालिद की जमानत याचिकाएं इससे पहले भी कई बार अदालत द्वारा खारिज की जा चुकी हैं।

किसने संसद में पी ई-सिगरेट? अनुराग ठाकुर ने स्पीकर से की शिकायत, सदन में मचा बवाल

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार (11 दिसंबर 2025) को तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद पर लोकसभा में ई-सिगरेट पीने का आरोप लगाया। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने यह मुद्दा उठाते हुए अध्यक्ष ओम बिरला से पूछा कि क्या सदन में ई-सिगरेट की अनुमति है। अध्यक्ष के स्पष्ट रूप से मना करने पर ठाकुर ने दावा किया कि तृणमूल का एक सांसद (जिनका नाम उन्होंने नहीं लिया) कई दिनों से सदन के भीतर ई-सिगरेट पी रहा है।

सदन में हंगामा, भाजपा सांसदों का विरोध

अनुराग ठाकुर के आरोप लगाते ही भाजपा सांसद अपनी सीटों से खड़े हो गए और जोरदार आपत्ति जताई। कुछ देर तक सदन में शोर-शराबा हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी सदस्यों से शांत रहने की अपील की और कहा कि संसद की मर्यादा सर्वोपरि है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसा कोई मामला उनके संज्ञान में आता है, तो नियमों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

गिरिराज सिंह की प्रतिक्रिया

ई-सिगरेट विवाद पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि ई-सिगरेट पीना स्वभाविक रूप से गलत है, और अगर कोई सांसद ऐसा कर रहा है तो यह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। सिंह ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में बैठे लोगों को कानून पालन का उदाहरण बनना चाहिए, न कि उसका उल्लंघन करना चाहिए।

भारत में ई-सिगरेट क्यों प्रतिबंधित हैं?

इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के तहत देश में ई-सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध है। इस कानून के अनुसार ई-सिगरेट का निर्माण, बिक्री, आयात, वितरण, वेपिंग लिक्विड का भंडारण और किसी भी तरह का विज्ञापन या प्रचार—सब अवैध है।

संसद परिसर में धूम्रपान सख्त वर्जित

भारत में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पूरी तरह प्रतिबंधित है, और संसद भवन भी इसी श्रेणी में आता है। सांसदों, कर्मचारियों और किसी भी आगंतुक के लिए संसद परिसर में धूम्रपान करना पूर्ण रूप से वर्जित है। 2015 में संसद के अंदर मौजूद स्मोकिंग रूम को बंद किए जाने पर भी विवाद हुआ था, जब कई सांसदों ने इस फैसले का विरोध किया था।

जोरदार धमाका, आग और काला धुआं... सेंट पीटर्सबर्ग की मार्केट में बड़ा हादसा, 1 की मौत, कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस में एक बड़ा हादसा सामने आया है। सेंट पीटर्सबर्ग शहर के सबसे बड़े प्रावोबेरेझनी मार्केट में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते लगभग 1,500 वर्गमीटर का हिस्सा चपेट में आ गया। हादसे में एक व्यक्ति की डेड बॉडी बरामद की गई है, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना बुधवार शाम हुई, और बाजार में आग लगते ही अफरातफरी मच गई। लोग चीख-पुकार के बीच अपनी जान बचाने को इधर-उधर दौड़ने लगे।

वीडियो वायरल, चारों तरफ काला गुबार

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। क्लिप में आग की ऊंची-ऊंची लपटें साफ दिखाई देती हैं। मार्केट के ऊपर आसमान में गहरा काला धुआं उठता दिख रहा है, जिसे दूर से भी देखा जा सकता है।

40 से ज्यादा फायर ब्रिगेड टीमें बुलाई गईं

जानकारी के मुताबिक, आग की सूचना मिलते ही 40 से ज्यादा फायर ब्रिगेड टीमें मौके पर भेजी गईं। देर रात तक लगातार कोशिशों के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि मार्केट का बड़ा हिस्सा जल चुका था।

जोरदार धमाके की आवाज से दहशत

मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, आग लगने से पहले जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी थी। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी थी, वहां ज्वलनशील पदार्थ मौजूद थे, जिसकी वजह से आग इतनी तेजी से फैल गई। हालांकि आग कैसे लगी इसकी अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

ऑपरेशन सागर बंधु :

श्रीलंका में भारतीय सेना ने किया 5 हजार से अधिक लोगों का उपचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने श्रीलंका में पांच हजार से अधिक लोगों को उपचार मुहैया कराया है। भारतीय सेना का यह दल श्रीलंका के सबसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र में तैनात है, जहां हजारों लोग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

दरअसल, श्रीलंका में चक्रवात के साथ आई भीषण बाढ़ से यहां संकट गहराया हुआ है। ऐसे कठिन समय में भारत ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका की मदद कर रहा है। सैन्य सहायता को तेज करते हुए यहां भारतीय सेना ने एक अत्याधुनिक फील्ड हॉस्पिटल स्थापित किया है। भारतीय सेना ने यहां मुसीबत में फंसे लोगों को बचाने के लिए 18 घंटे की कठिन यात्रा की। भारतीय दल को कोलंबो पहुंचने के बाद बाढ़ग्रस्त इलाके तक पहुंचने में लगभग 18 घंटे का समय लगा। रास्ते में कई सड़कें धंसी हुई थीं। पुल क्षतिग्रस्त थे और बिजली व पानी की आपूर्ति बाधित थी। इसके अलावा संचार व्यवस्था लगभग ठप पड़ी थी। ऐसी स्थिति में भी भारतीय सैनिकों ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर एक खाली पड़े पार्किंग क्षेत्र को पूरी तरह कार्यशील फील्ड हॉस्पिटल में बदल दिया। सेना ने यहां रातभर काम करके अस्पताल का निर्माण किया। इसके साथ ही बिजली, पानी और नेटवर्क भी बहाल किया गया है। इंजीनियर और मेडिकल टीमों ने रातभर काम करके पोर्टेबल जनरेटर लगाया। इसके कारण क्रिटिकल केयर, सर्जरी और जीवनरक्षक सेवाओं के लिए निर्बाध बिजली सुनिश्चित की गई। स्थानीय प्रशासन की सहायता से नियमित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित कराई गई है।

सेना के अधिकारियों ने यहां एक संचार केंद्र स्थापित किया है, जिससे भारत और लॉजिस्टिक चैनलों व श्रीलंकाई एजेंसियों से रियल टाइम संपर्क बहाल हो सका। इन प्रयासों ने राहत कार्यों को अत्यधिक गति दी। आधुनिक तकनीकों ने अस्पताल के त्वरित निर्माण और प्रभावी संचालन में अहम भूमिका निभाई है। ड्रोन सर्वे से बाढ़ग्रस्त इलाके का नक्शा बनाकर अस्पताल का सर्वश्रेष्ठ लेआउट तय किया गया। आधुनिक सुविधाओं से लैस सुसज्जित मेडिकल टेंट लगाए गए, जिनमें तुरंत एक स्टेराइल और संचालन योग्य ऑपरेशन थिएटर तैयार किया गया। विशेष उपकरणों के जरिए रक्त और मेडिकल सैंपल तेजी से स्थानांतरित किए गए, जिससे जांच रिपोर्ट का समय काफी कम हुआ। कुछ ही दिनों में यह फील्ड हॉस्पिटल एक पूर्ण मल्टी-स्पेशियलिटी मेडिकल सेंटर बन गया। इसमें ऑपरेशन थिएटर, एक्स-रे और लैब सुविधाएं उपलब्ध हैं। वहीं डेंटल क्लिनिक, सर्जरी, आर्थोपेडिक्स, फैमिली मेडिसिन सहित कई ओपीडी सेवाएं भी यहां मौजूद हैं।

पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों पर कोई नकारात्मक असर नहीं : नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं हुआ है। साथ ही, इससे 1.40 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हुई और किसानों को भी फायदा हुआ है। गडकरी ने बताया कि ई20 पेट्रोल की शुरुआत स्वच्छ और हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल प्रदूषण को कम करता है और देश की महंगे ईंधन आयात पर निर्भरता को घटाता है। उन्होंने कहा कि इससे इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले गन्ने और मक्के जैसे कच्चे माल की आपूर्ति के लिए किसानों को लगभग 40,000 करोड़ रुपए मिले हैं। ई10 और ई20 ईंधन मानकों के साथ वाहनों की अनुकूलता से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, गडकरी ने सरकार की नीति का विस्तृत विवरण साझा किया। उन्होंने कहा कि वाहन निर्माताओं की यह जिम्मेदारी है कि वे यह घोषित करें कि कोई मॉडल ई20 ईंधन के अनुकूल है या नहीं, और यह जानकारी वाहन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले स्टिकर के माध्यम से प्रदर्शित की जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 1 अप्रैल, 2023 से पहले बेचे गए वाहन ई10 ईंधन के अनुकूल हैं, जबकि इस तिथि के बाद बेचे गए वाहन ई20 मानकों के अनुरूप हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीआईएस विनिर्देशों और ऑटोमोटिव उद्योग मानकों के माध्यम से ई20 ईंधन के लिए सुरक्षा मानदंड स्थापित किए गए हैं और परीक्षणों से पता चला है कि वाहन के चलने, स्टार्ट होने या धातु और प्लास्टिक घटकों की अनुकूलता में कोई समस्या नहीं है। गडकरी ने सदन को यह भी बताया कि ई20 मानकों का पालन न करने वाले पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने या उनमें संशोधन करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि एआरएआई, आईओसीएल और सियाम द्वारा किए गए एक अध्ययन से पुष्टि हुई है कि इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के उपयोग से होने वाली सामान्य टूट-फूट को नियमित सर्विसिंग के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है और किसी विशेष रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम की आवश्यकता नहीं है।

चुनाव आयोग ने SIR को लेकर लिया बड़ा फैसला, यूपी समेत इन 6 राज्यों में बढ़ाई समयसीमा

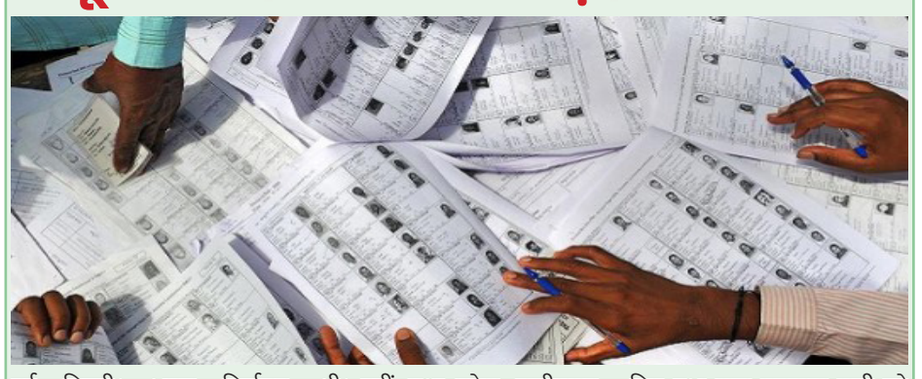

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने विशेष मतदाता सूची संशोधन अभियान (SIR) को लेकर बड़ी जानकारी दी है। आयोग ने इस अभियान की अंतिम तारीख को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दी है। यह फैसला 6 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए आया है। इन्हीं राज्यों में अभी तक अपेक्षित संख्या में दावें और आपत्तियां प्राप्त नहीं हुई है। जिसके चलते आयोग ने यह निर्णय लिया है।

इन राज्यों के लिए दिया गया फैसला

आयोग ने बताया कि तमिलनाडु और गुजरात में एसआईआर फॉर्म जमा करने की नई अंतिम तारीख अब 14 दिसंबर, 2025 तक होगी। इस नई तिथि से पहले यहां पर अंतिम तारीख 19 दिसंबर, 2025 थी। वहीं, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं अंडमान और निकोबार के लिए नई तारीख 23 दिसंबर, 2025 कर दी है, जबकि यहां पुरानी अंतिम तिथि 19 दिसंबर, 2025 थी। इनके साथ उत्तर प्रदेश में एसआईआर की अंतिम तारीख 26 से बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2025 तय की गई है। इन नई तारीखों का ऐलान करते हुए आयोग ने लोगों से अपील की है कि वे बढ़ाई गई समयसीमा का लाभ उठाएं और शीघ्रता से अपना काम पूरा कर लें।

यूपी निर्वाचन अधिकारी ने दी जानकारी

दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव आयुक्त नवदीप रिणवा ने कहा कि प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से पूरी करवाने के लिए तथा शुद्ध मतदाता सूची को बनाने के लिए ईसीआई से दो हफ्ते का समय बढ़ाने के लिए अनुरोध किया गया था। इस वजह से जिला निर्वाचन अधिकारियों के जरिए मृतक, पलायन तथा अनुपस्थित मतदाताओं का दोबारा से सत्यापन कराया जा सके।

मुख्य आयोग की टिप्पणी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अंतिम तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर राज्य में चल रहे एसआईआर की घोषित तारीखों में संशोधन करके उन्हें आगे बढ़ाया जाए। बता दें कि 31 दिसंबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। वहीं यूपी में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 28 फरवरी, 2026 को किया जाएगा।

इंडिगो का बड़ा ऐलान, फ्लाइट रद्द होने पर 10,000 रुपये का मुआवजा

नई दिल्ली । इंडिगो ने दिसंबर की शुरुआत में हुई ऑपरेशनल दिक्कतों के चलते हजारों यात्रियों को हुई परेशानी को मानते हुए बड़ा फैसला लिया है। एयरलाइन ने घोषणा की है कि 3, 4 और 5 दिसंबर को जिन यात्रियों की फ्लाइट रद्द हुई या यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है, उन्हें 10,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर दिया जाएगा। यह वाउचर एक साल तक किसी भी बुकिंग में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

कई यात्रियों को घंटों इंतजार, कनेक्टिंग फ्लाइट भी छूटी

कंपनी ने माना कि इन तीन दिनों के दौरान कई यात्रियों को एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करना पड़ा। कुछ लोग अपनी अगली कनेक्टिंग फ्लाइट से चूक गए, जबकि कई की जरूरी यात्राएं प्रभावित हुईं। इंडिगो ने कहा कि यह यात्रियों के लिए कठिन समय था और कंपनी इसकी पूरी जिम्मेदारी लेती है।

24 घंटे के भीतर फ्लाइट रद्द होने पर क्या मिलेगा नियमों के मुताबिक?

सरकार के नागरिक उड्डयन नियमों के मुताबिक, अगर कोई फ्लाइट 24 घंटे के भीतर रद्द होती है, तो एयरलाइन को यात्रियों को मुआवजा देना अनिवार्य है। दूरी और समय के हिसाब से यात्रियों को 5,000 से 10,000 रुपये तक का अतिरिक्त मुआवजा मिल सकता है।

इस तरह कुछ यात्रियों को कुल 20,000 रुपये तक का फायदा हो सकता है।

रिफंड प्रक्रिया तेज की गई

इंडिगो ने बताया कि जिन यात्रियों की फ्लाइट रद्द हुई थी, उनमें से अधिकांश के रिफंड प्रोसेस कर दिए गए हैं। जो टिकट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, ऐप या ट्रैवल एजेंसी से बुक हुए थे, उनके रिफंड भी जारी हो चुके हैं या प्रक्रिया में हैं। अगर कोई यात्री अपनी रिफंड स्थिति नहीं देख पा रहा है, तो वे customer.experience@goindigo.in पर ईमेल कर सकते हैं।

क्यों दिया जा रहा है 10,000 रुपये का वाउचर?

इंडिगो ने स्वीकार किया कि ऑपरेशनल गड़बड़ियों के चलते कई यात्रियों का अनुभव बेहद खराब रहा। लोग रातभर एयरपोर्ट पर फंसे रहे, लंबी कतारों में खड़े रहे और उनकी आगे की यात्रा भी प्रभावित हुई। इसी वजह से कंपनी ने सबसे अधिक प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपये का वाउचर देने का निर्णय लिया है।

इंडिगो का कहना है कि उसकी प्राथमिकता सेवाओं को फिर से भरोसेमंद और स्थिर बनाना है। कंपनी ने कहा कि यात्रियों का विश्वास उसके लिए सबसे अहम है, और वह उनके धैर्य की सराहना करती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

चावल निर्यात पर ट्रम्प की तिखी प्रतिक्रिया: भारत के प्रति पुराना द्वेष फिर उभरा

चावल के निर्यात पर ट्रम्प की हालिया टिप्पणी पहली नज़र में भले ही एक छोटी-सी घटना लगे, लेकिन कूटनीति की बारीक दुनिया में इसके मायने कहीं ज़्यादा गहरे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया, जब अमेरिकी ट्रेड वार्ताकारों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए भारत आया हुआ है। यानी जब दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझ को बेहतर बनाने का माहौल होना चाहिए था, उसी वक्त अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने जैसा संकेत देकर एक तरह से तल्ख़ी ही बढ़ा दी है। दरअसल, ट्रम्प अमेरिका के किसान और व्यापारियों से बात कर रहे थे। इसी दौरान एक अमेरिकी चावल आयातक कम्पनी के सीईओ ने शिकायत की कि भारत, थाईलैंड और वियतनाम अपने किसानों को अधिक सब्सिडी देते हैं, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमतें गड़बड़ा जाती हैं। यह सुनते ही ट्रम्प ने आधे मज़ाक, आधे गुस्से में कह दिया—"तो क्या भारत पर और टैरिफ लगा दें? ठीक है।" यह बात जितनी सहज दिखाई देती है, उतनी ही बड़ी संकेतों से भरी है। ट्रम्प को वहीं बताया गया कि भारतीय चावल पर पहले से ही 53% टैरिफ लगाया जाता है, लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर दिया। इस रवैये से साफ है कि भारत के प्रति उनका पुराना गुस्सा और द्वेष अभी भी जस का तस मौजूद है। हालांकि सच्चाई यह है कि भारत को ऐसे किसी टैरिफ से कोई खास नुकसान होने वाला नहीं है। दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक भारत है, लेकिन यूएस को हमारे कुल निर्यात का सिर्फ 3% चावल ही जाता है। यानी अमेरिकी बाजार भारत के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र नहीं है। उल्टा, अमेरिका में भारतीय बासमती चावल की मांग लगातार बनी हुई है। उसकी खुशबू, पकने के बाद उसकी लम्बाई और उसके मुलायम दाने—ये सभी खूबियाँ उसे अमेरिकी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनाती हैं। सामान्य चावल की तुलना में बासमती अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग सवा या डेढ़ गुना महंगा बिकता है। बासमती का सबसे बड़ा बाजार तो सऊदी अरब जैसे खाड़ी देश हैं, जहां बिरयानी और अन्य परंपरागत व्यंजनों में इसका बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। इसके मुकाबले अमेरिका में भारतीय निर्यात की मात्रा कम है और उसका व्यावसायिक महत्व भी सीमित है। इसीलिए ट्रम्प का बयान भारत के लिए आर्थिक से ज़्यादा राजनीतिक और कूटनीतिक मायने रखता है। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि पाकिस्तान भी अमेरिका को चावल निर्यात करता है—गुणवत्ता के लिहाज़ से वह भारतीय बासमती से थोड़ा नीचे होता है और उस पर टैरिफ भी कम लगाया जाता है। इसके बावजूद ट्रम्प का गुस्सा भारत पर ही निशाना साधता दिखता है। यह रुख़ यह बताने के लिए काफी है कि आने वाले दिनों में भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा कितनी उतार-चढ़ाव वाली रह सकती है। खासकर तब जब व्यापार, रक्षा और तकनीक जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों को परस्पर सहयोग की ज़रूरत पहले से कहीं ज्यादा है। अमेरिकी नीति में अचानक होने वाले ऐसे बयान अक्सर यह संकेत देते हैं कि ट्रम्प प्रशासन के भीतर भारत को लेकर सोच कितनी अस्थिर है।

भारत का विमानन संकट यात्रियों की भावनाओं से खिलवाड़, अब ऐसे कड़े नियम जरूरी जो किसी कंपनी को मनमानी न करने दें

-इंडिगो संकट ने दिखाया सिस्टम की कमजोरी, यात्रियों की सुरक्षा और मुआवज़े के लिए सख्त कानून जरूरी

आसमान में उड़ान भरना हमेशा इंसानी ख्वाहिशों की ऊँचाइयों से जुड़ा रहा है। जब जहाज बादलों को चीरता हुआ ऊपर उठता है, तो दिल में एक अजीब-सा सुकून पैदा होता है। रुई जैसे फाहों वाले बादल नीचे दौड़ते हुए दिखाई देते हैं—कभी लगता है किसी ने सफेद कपास के खेत बादलों में उगा दिए हों, कभी लगता है किसी जिनिंग फैक्टरी में कपास का अंबार लगा है और हम उसी के ऊपर-ऊपर तैर रहे हैं। बादलों के बीच-बीच में दिखाई देता नीला आसमान किसी नीले समंदर सा लगता है जो कपास के ढेरों में छुपा हुआ बह रहा हो। लेकिन पिछले दिनों भारत के आसमान में जो संकट छाया, उसने इन तमाम हसीन तजुर्बों को खारा कर दिया। उड़ान का वो रोमांच, वो सुकून, वो भरोसा—सब कुछ कुछ ही दिनों में टूट सा गया। लोग हवाई अड्डों पर फंसे रहे, लाइनें लगती रहीं, घोषणाएँ बदलती रहीं, लेकिन किसी को यह दिख नहीं रहा था कि यात्रियों की तकलीफ़ किस हद तक बढ़ चुकी है।

विमानन संकट—दर्द यात्रियों का, बेपरवाही सिस्टम की

तीन दिसंबर की सुबह भारत के हवाई अड्डों पर ऐसा हंगामा मचा जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। एक-एक कर इंडिगो की दर्जनों उड़ानें रद्द होने लगीं। कहीं घंटों की देरी, कहीं पूरी उड़ान ही कैंसिल। सोशल मीडिया पर वीडियो की भरमार—लोग गुस्से में, उलझन में, निराश और बेबस दिखाई दे रहे थे। किसी की विदेश जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई, किसी का बीमार परिजन जिसने आखिरी सांसें गिन रही थीं—वह उससे मिल न सका, किसी के लाखों के बिजनेस डील रुक गए, किसी की शादी, किसी की नौकरी, किसी का इंटरव्यू, किसी का इमरजेंसी इलाज—सब दांव पर लग गया। लेकिन दुखद बात यह रही कि किसी एजेंसी, किसी अधिकारी या कंपनी में इतना भी सेंसिटिव रवैया नहीं दिखा कि वे यात्रियों की इस

पीड़ा को गंभीरता से समझें।

यह सिर्फ रिफंड का मामला नहीं—नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

इंडिगो ने बाद में कहा कि वह पिछले पांच-सात दिनों में 600 करोड़ रुपए का रिफंड कर चुकी है। लेकिन असल मसला रिफंड नहीं है। रिफंड तो टिकट के दाम भरता है। लेकिन यात्री का असली नुकसान? मिस्ड फ्लाइट कनेक्शन होटल में रुके रहने के खर्च, बिजनेस लॉस, मेडिकल इमरजेंसी, समय की हानि, मानसिक तनाव, इनकी भरपाई कौन करेगा? आज भारत की विमानन प्रणाली में ऐसा कोई नियम नहीं है जो एयरलाइन्स को पैसों से परे हुए नुकसान की जिम्मेदारी लेने को मजबूर करे। जबकि अमेरिका और यूरोप में ऐसे कड़े कानून हैं कि एयरलाइन की गलती से उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को मुआवज़ा, होटल, खाना, अगली उपलब्ध उड़ान—सब कुछ देना **पड़ता है। भारत में? सिर्फ सॉरी और रिफंड। और यह भी कब—जब कंपनी चाहे!**

सरकार की कमजोरी—एक नियम बनाया और संकट आते ही वापस ले लिया

पिछले साल DGCA ने नए नियम लागू किए थे: पायलटों को पर्याप्त आराम, अधिकतम उड़ानों की सीमा, फ्लाइट ऑपरेशन में सुरक्षा को प्राथमिकता

यह नियम यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाए गए थे। लेकिन इंडिगो जैसी बड़ी कंपनी ने इन नियमों का पालन न करके उन्हें साइड में रख दिया। जब पायलटों ने कहा कि वे नए नियमों के तहत 2 से अधिक उड़ानें नहीं उड़ाएँगे, तब कंपनी ने फ्लाइटें कैंसिल करनी शुरू कर दीं। और फिर क्या हुआ? सरकार ने खुद ही अपना नियम वापस ले लिया। यह एक तरह से साफ-साफ दिखाता है कि बड़ी कंपनियां सिस्टम को किस तरह ब्लैकमेल कर लेती हैं। और सरकार, जो यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का सबसे बड़ा जिम्मेदार है, वह दबाव में झुक जाती है।

इंडिगो की 'अघोषित हड़ताल'—और अफवाहों का खेल

पहले दिन जब फ्लाइटें रद्द हुईं, तो एक अफवाह फैली कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत आ रहे हैं, इसलिए सुरक्षा के नाम पर उड़ानों को रोका जा रहा है। लोग यह सोच-सोच कर हैरान थे कि, क्या दुनिया में यह पहली बार हुआ है कि किसी राष्ट्राध्यक्ष के आने पर पूरे देश की उड़ानें थम जाती हैं? फिर अगले दिन असलियत सामने आई:

इंडिगो का अपना आंतरिक संकट। पायलटों और क्रू पर पुराने समय से ज़्यादा दबाव नए नियम लागू करने के बाद शेड्यूल में सुधार न करना, कंपनी द्वारा स्टाफ की अनदेखी, पायलटों का ओवरवर्क, थकान और सुरक्षा जोखिम, यह सिर्फ कंपनी प्रबंधन की नाकामी थी, लेकिन भुगतना यात्रियों को पड़ा।

किराया आसमान पर—पचास हजार तक लिया गया!

जब संकट शुरू हुआ, एयरलाइन्स ने किराए ऐसे बढ़ाए जैसे यह 'सूखे में पानी बेचने का वक्त' हो। जहाँ दिल्ली-मुंबई जैसे रूट पर 5–6 हजार रुपए का टिकट मिलता था, वहाँ 40–50 हजार तक वसूला गया। यानी संकट भी कमाई का मौका बन गया। टिकट के दामों में न कोई नियंत्रण, न कोई सीमा, न कोई गाइडलाइन। पैसा कमाने की ऐसी दौड़, जिसमें यात्रियों की मजबूरी को कंपनी ने खुलेआम कैश किया।

भारतीय विमानन—दुनिया की सबसे कमजोर उपभोक्ता सुरक्षा वाली प्रणाली

यही असली दर्द है। यूरोप में: 3 घंटे की देरी □ 600 यूरो तक मुआवज़ा कैंसिल □ मुफ्त होटल + अगली फ्लाइट + फूड ओवरबुकिंग □ भारी पेनल्टी अमेरिका में: कंपनी दोषी हो तो कंपनियों पर जुर्माना यात्रियों को कैश कंपेन्सेशन भारत में? "हम रिफंड कर देंगे, बाक़ी आप जानो।" "किराया बढ़ा देंगे, क्योंकि कोई रोकने वाला नहीं।" "नियम हटवा लेंगे, क्योंकि सरकार दबाव में झुक जाएगी।" यही कारण है कि भारत का एविएशन सेक्टर दुनिया में सबसे ज्यादा यात्री-असुरक्षित कहलाता जा रहा है।

क्या पायलट गलत थे?—असल कहानी इससे भी गहरी है

कुछ लोग कहेंगे कि पायलटों ने अचानक उड़ानों से इनकार करके गलती की। लेकिन सवाल यह है: क्यों इतने बड़े पैमाने पर पायलट एक साथ रुक गए? क्यों नहीं कंपनी ने पहले से इन्हें तैयार किया? क्यों शेड्यूल को नए नियमों के मुताबिक एडजस्ट नहीं किया गया? क्यों कंपनी ने DGCA के निर्देशों को हल्के में लिया? पायलट सुरक्षा की मांग कर रहे थे, क्योंकि ओवरवर्क उड़ान सुरक्षा के लिए खतरा है। लेकिन कंपनी ने इसे सुधारने की बजाय इसे हड़ताल जैसा दिखाया।

समाधान क्या है?—अब समय आ गया है कि सरकार निर्णायक कदम उठाए

यह संकट यह साबित करता है कि अब भारत को कड़े, बहुत कड़े नियम चाहिए।

कठोर मुआवज़ा कानून बने: यदि कंपनी फ्लाइट कैंसिल करे—यात्री को कम से कम 20,000–30,000 रुपए कंपेन्सेशन होटल + फ्री फूड अगली उपलब्ध फ्लाइट मुफ्त बिजनेस या मेडिकल कारण से हुई हानि की आंशिक भरपाई

एयरलाइन्स को किराया बढ़ाने पर लिमिट हो: संकट के किसी भी दौर में टिकट अपनी औसत कीमत से 3 गुना से ज्यादा न बढ़ाई जा सके।

'यात्री सुरक्षा आयोग' बनाया जाए: जैसे TRAI टेलीकॉम को देखता है, वैसे ही एयरलाइन्स पर कड़ा कंट्रोल करने वाला स्वतंत्र आयोग हो।

DGCA को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त किया जाए: ताकि कोई कंपनी सरकार को नियम हटाने पर मजबूर न कर सके।

पायलटों के लिए सुरक्षित फ़्लाइट शेड्यूल अनिवार्य हो —ओवरवर्क बिल्कुल न कराया जाए —आराम के नियम सख्ती से लागू हों —नियम तोड़ने पर लाइसेंस तक रद्द किया जाए

उड़ानें रद्द करने पर कारण की पब्लिक घोषणा अनिवार्य हो: ताकि अफवाहें न फैले और पारदर्शिता बनी रहे।

यात्रियों के भरोसे पर बदनुमा दाग

हवाई यात्रा सिर्फ आराम या लक्ज़री नहीं है। यह करोड़ों लोगों की जरूरत बन चुकी है। कारोबार से जुड़े लोग, परिवार के बीच फंसे रिश्ते, मेडिकल इमरजेंसी, छात्रों की परीक्षाएँ, नौकरी से जुड़े इंटरव्यू, विदेश जाने के कनेक्शन, एक फ्लाइट रद्द होने का मतलब किसी के लिए एक ज़िंदगी भर याद रहने वाली परेशानी भी हो सकता है। लेकिन एयरलाइन कंपनियाँ यात्रियों को सिर्फ 'PAX नंबर' की तरह देखती हैं— कोई इंसान, कोई भावना नहीं। यही सबसे दुखद है। इंडिगो संकट यह पहला और आखिरी नहीं है। भविष्य में और भी बड़े संकट आ सकते हैं। और हर बार सबसे बड़ा नुकसान वही लोग झेलेंगे—जो टिकट लेकर भरोसे से यात्रा पर निकलते हैं।

मानवाधिकार दिवस: संकल्प समानता, न्याय और गरिमा का

हर वर्ष 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि उन मूल्यों की याद है जो हर इंसान को सहज रूप से मिलने चाहिए—सम्मान, समानता, स्वतंत्रता और न्याय। दुनिया में सभी को समानता का अधिकार मिले, इस दुनिया में जो भी है, सभी समान रूप से जीने का अधिकार रखते हैं। इसलिए हर साल मानवाधिकारों की पैरवी के लिए यह दिन मनाया जाता है। यह दिन 1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा की याद में मनाया जाता है, जिसने पहली बार पूरी दुनिया के सामने यह सिद्धांत रखा कि अधिकार किसी सरकार की देन नहीं, बल्कि हर इंसान का जन्मसिद्ध हक हैं। 10 दिसंबर 1948 को पहली बार संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानवाधिकारों को अपनाने की घोषणा की। आधिकारिक तौर पर इस दिन की घोषणा साल 1950 को हुई। भारत के संविधान ने मानवाधिकार की गारंटी दी। हमारे देश में 28 सितंबर 1993 से मानवाधिकार कानून अमल में आया। सरकार ने 12 अक्टूबर को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। मानवाधिकार दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना है। मानवाधिकारों में स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और शिक्षा का अधिकार भी शामिल हैं। मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर प्रताड़ित और उन्हें इन हकों से वंचित नहीं किया जा सकता। सभी व्यक्तियों को गरिमा और अधिकारों के मामले में जन्मजात स्वतंत्रता और समानता प्राप्त है। मानवाधिकार दिवस मनाने को लेकर हर साल संयुक्त राष्ट्र द्वारा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए एक थीम तय की जाती है। वर्ष 2021 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना, मानवाधिकारों को आगे बढ़ाना रखी गई थी। वर्ष 2022 की थीम गरिमा, स्वतंत्रता और सभी के लिए न्याय रखी गई। यानी सभी लोग स्वतंत्र और समान हैं और उन्हें गरिमा और मानव अधिकारों के साथ जीने का अधिकार है। हर किसी को जीवन जीने, स्वतंत्रता और सुरक्षा का अधिकार है या फिर एक दूसरे के प्रति सदैव भाईचारे का व्यवहार करें।' वर्ष 2023 मानवाधिकार दिवस की थीम सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय रखी गई थी। मानवाधिकार दिवस 2024 का विषय "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी" एक प्रभावशाली और बेहतर भविष्य के लिए अभी कानूनों को जानने और उनका पालन करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। मानवाधिकार दिवस 2025 का विषय "मानवाधिकार: हमारे रोजमर्रा के आवश्यक तत्व" रखा गया है। इस वाक्य का तात्पर्य है कि मानवाधिकार कोई अलग या विशेष परिस्थितियों में लागू होने वाली अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारी दैनिक जीवन का मूल हिस्सा हैं। जैसे भोजन, पानी, हवा, शिक्षा, सम्मान और स्वतंत्रता—ये सब वैसे ही आवश्यक हैं जैसे जीवन का मूल आधार। भारतीय संविधान में भी मानवाधिकारों के महत्व को पहचाना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,21,23,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के लिए हैं। तृतीय अध्याय में कुछ मौलिक अधिकारों की गारंटी भी दी है। ये हैः समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार। अनुच्छेद 32 संवैधानिक उपचारों से संबंध है। जिसके अनुसार भारत का सर्वोच्च न्यायालय इन मौलिक अधिकारों को लागू करवाने का प्रारंभिक क्षेत्राधिकार रखता है। यह किसी भी व्यक्ति के मानव अधिकारों के हनन के विरुद्ध सुरक्षा का अधिकार है। इसमें राज्य द्वारा लोगों के कल्याण में वृद्धि हेतु सामाजिक, व्यवस्था, सामाजिक न्याय, काम का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का कर्तव्य सम्मिलित है तथा काम करने की न्यायोचित एवं मानवीय स्थितियों का प्रावधान, कमजोर वर्गों के हितों को प्रोत्साहित करना, पोषण एवं जीवन स्तर को उठाना तथा जन स्वास्थ्य में सुधार करना, पर्यावरण पारिस्थितिकी तथा वन्य जीव इत्यादि की रक्षा एवं सुधार करने के कर्तव्य सम्मिलित हैं। इसके साथ ही प्रत्येक नागरिक के मौलिक कर्तव्यों को संविधान के भाग IV A में अनुच्छेद 51 A में दर्ज किया गया है जो मौलिक अधिकारों की गारंटी को और अधिक मजबूत करते हैं। मौलिक अधिकारों को लागू करने की शक्ति प्रदान करने वाले अनुच्छेद 32 के साथ उच्च न्यायालयों को ऐसी ही शक्ति अनुच्छेद 226 के अंतर्गत प्रदान की गई है। उच्चतर न्यायपालिका द्वारा मानवाधिकारों का संरक्षण एवं उन्हें लागू करने का काम एक संवैधानिक आदेश है। कानून का शासन हमारे संविधान की आधारभूत विशेषता है और इसी प्रकार न्यायिक समीक्षा भी आधारभूत विशेषता है। मानवाधिकार के प्रसार में उच्चतम न्यायालय की भूमिका प्रशंसनीय है तथा अनुच्छेद 21 इसके लिए एक फलदायी अनुच्छेद है। कई मामलों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि विभिन्न अनुच्छेदों के अंतर्गत दिए गए अधिकारों जैसे मानवीय गरिमा का अधिकार, स्वास्थ्य, पर्यावरण का अधिकार, सामाजिक सुरक्षा का अधिकार, बचपन की रक्षा का अधिकार इत्यादि के उल्लंघन पर क्षतिपूर्ति (मुआवजा) देना होगा। 1948 के मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा पत्र का प्रभाव भारतीय संविधान के भाग III और IV के प्रारूप में निरंतर अनुभव किया गया। भारत ने मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा पत्र तथा अन्य दोनों प्रसंविदाओं को कुछ फेरबदल के साथ स्वीकार किया।

अतः कहने का अर्थ यह है कि मानवाधिकार सामाजिक जीवन की वे परिस्थितियां हैं जिनके बिना कोई भी मनुष्य अपना विकास नहीं कर सकता। अधिकार वे हक जो एक आम आदमी को जीवन जीने के लिए चाहिए, जिसकी वो मांग करता है। कानून द्वारा प्रदत्त सुविधाएं अधिकारों की रक्षा करती है। और अगर हम मानवाधिकार एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें देश के नागरिकों के उन अधिकारों की रक्षा और पहचान के लिए कार्य करना चाहिए जो हक उन्हें भारत का संविधान देता है। हमें लोगों को उनके धर्म, जाति, खान-पान और पहनावे के आधार पर आंकना बंद करना चाहिए। हमें नागरिकों के मानवाधिकार और संवैधानिक अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करना चाहिए। मानवाधिकारों की असली प्रासंगिकता तभी है जब हर नागरिक का जीवन गरिमामय हो, और हर व्यक्ति यह महसूस करें कि वह सुरक्षित, स्वतंत्र और समान है। दूसरा हमें इस पर गौर करना चाहिए कि मानवाधिकार सरकारों की जिम्मेदारी तो है ही साथ ही हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य भी हैं। हमें—दूसरों का सम्मान करना, भेदभाव न करना, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना, कमजोर और वंचित वर्ग का साथ देना, मानवता को सर्वोपरि मानना जैसी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए। तो आइए हम इस 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस मनाने और एकजुटता और प्रतिबद्धता की भावना का जश्न मनाने के लिए एकजुट हों।

-बाबूलाल नागा

डिजिटल युग में व्यक्तिगत स्वतंत्रता तेजी से सिमट रही है, प्राइवेसी और डेटा-अधिकारों की सुरक्षा अब लोकतंत्र की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है

-अगर मजबूत नीतियां नहीं बनीं तो निजता विशेषाधिकार बन जाएगी, आम नागरिक अपने ही डेटा से वंचित होगा

मानव सभ्यता का विकास किसी एक दिन या एक खोज का परिणाम नहीं रहा। यह हजारों वर्षों के वैज्ञानिक, सामाजिक और तकनीकी बदलावों का सतत प्रवाह है, जिसने हमारी सोच, व्यवहार और जीवन-पद्धति को लगातार नया रूप दिया। पिछले दो हजार सालों में कृषि, लोहा, कागज़, कम्पास, गनपाउडर, बिजली और प्रिंटिंग जैसी खोजों ने धीरे-धीरे समाज की संरचना बदली। लेकिन पिछले सौ वर्षों का परिवर्तन किसी तेज़ आंधी जैसा रहा—संचार, दवाई, परिवहन, ऊर्जा और सूचना तक पहुंच ने मानव जीवन को ऐसी गति दी, जिसका अनुमान हमारे पूर्वज शायद नहीं लगा सकते थे। इनमें भी पिछले 25 सालों का बदलाव सबसे तेज़, व्यापक और सबसे गहरा है। सूचना-प्रौद्योगिकी के औद्योगीकरण, विशाल डेटा कलेक्शन और कंप्यूटेशनल शक्ति के अभूतपूर्व संयोजन ने तकनीक, अर्थव्यवस्था और राजनीति तीनों को पूरी तरह पुनर्गठित कर दिया है। सुपरकंप्यूटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग (ML), रोबोटिक्स और डेटा साइंस ने मिलकर एक ऐसा डिजिटल संसार खड़ा कर दिया है, जो दुनिया को पहले से कहीं ज्यादा तेज़ी से बदल रहा है। इंटरनेट और मोबाइल ने चारों स्तंभों—अर्थव्यवस्था, समाज, संस्कृति और राजनीति—को एक साथ झकझोरा इंटरनेट और मोबाइल क्रांति ने हमारे जीवन के लगभग हर पहलू पर असर डाला है। यह बदलाव किसी एक दिशा में नहीं, बल्कि चारों दिशाओं से आया।

आर्थिक आयाम: बाजार की सीमाएं टूटीं, डेटा बना नई पूंजी

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के उभार ने अर्थव्यवस्था को पूरी तरह रीशेप कर दिया है। पहले व्यापार भौगोलिक सीमाओं में बंधा था—अब ऐसा नहीं। अब एक स्टार्टअप, एक ऐप या एक डिजिटल उत्पाद दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच सकता है। उत्पादन–भागीदारी की पारंपरिक संरचना टूट गई है। डेटा-आधारित कंपनियां—जैसे गूगल, मेटा, अमेज़न—दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियां बन गई हैं। ऑटोमेशन और एआई ने लागत घटाई, लेकिन श्रम-संरचना को भी झकझोर दिया। निर्णय-प्रक्रिया पहले से ज्यादा डेटा-सेंट्रिक हो गई है। लेकिन एक बड़ा खतरा यह भी पैदा हुआ कि पूंजी, शक्ति और डेटा कुछ ही कंपनियों के हाथों में इकट्ठा होने लगे, जिससे आर्थिक विषमताएं और गहरी हो रही हैं।

सामाजिक और पारिवारिक आयाम: रिश्ते वर्चुअल, भावनाएं सतही

डिजिटल प्रभाव ने पारिवारिक और सामुदायिक बंधनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। युवा अब वर्चुअल दुनिया में पहचान, मान्यता और रिश्ते बना रहे हैं। इस बदलाव ने पारंपरिक सामाजिक ढांचे—संस्कार, रिश्तों की गंभीरता, परिवार की भूमिका—को कमजोर कर दिया है। सोशल मीडिया के लगातार उत्तेजक कंटेंट ने ध्यान की अवधि (attention span) को कम कर दिया है। समाज अब "डिजिटल कनेक्टेड" तो है, लेकिन भावनात्मक रूप से डिस्कनेक्टेड होता जा रहा है।

सांस्कृतिक असर: नई तेजी, नया आकर्षण, लेकिन परंपराओं पर दबाव

संस्कृति का मूल हमेशा "साझा अनुभव और परंपरा" रहा है। लेकिन डिजिटल युग ने: तेज़, वायरल मान्यता को प्रमुख बना दिया, सांस्कृतिक निरंतरता को चुनौती दी, युवाओं में आत्म-छवि को लाइक्स, फॉलोअर्स, व्यूज़ के आधार पर गढ़ा, इसने यह धारणा मजबूत की कि धीरे चलने वाले मूल्य—परिश्रम, सहिष्णुता, धैर्य—अब 'पुराने' हैं।

राजनीतिक यथार्थ: सूचना ही सत्ता है

डिजिटल माध्यमों ने राजनीति को नई ताकत दी है: चुनाव अभियान सोशल मीडिया पर केंद्रित हो गए गलत सूचना और ध्रुवीकरण तेजी से फैलने लगे, बाहरी देशों द्वारा डिजिटल हस्तक्षेप की संभावनाएं बढ़ीं, शासन व्यवस्था में डेटा और एआई आधारित निगरानी बढ़ी, अब सत्ता की प्रतिस्पर्धा सिर्फ चुनावी मैदान में नहीं, बल्कि डेटा-केंद्रों और डिजिटल नेटवर्क्स में भी लड़ी जा रही है।

डेटा-संग्रहण और डिजिटल-निगरानी का उभार: नागरिक बनाम सिस्टम

सरकारें और कंपनियां दोनों ही डेटा को नई संपत्ति मानती हैं।

डेटा से: व्यवहार का अनुमान लगाया जा सकता है निर्णयों को प्रभावित किया जा सकता है लोगों की प्राथमिकताएं बदली जा सकती हैं, उनकी राजनीतिक पसंद तक को नियंत्रित किया जा सकता है, कई देशों में एआई-आधारित निगरानी सिस्टम नागरिक की हर गतिविधि को रिकॉर्ड कर रहे हैं। यह स्थिति व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सत्ता-व्यवस्था के बीच एक नई खाई पैदा करती है। अगर यह खाई बिना नियमों के बढ़ती गई तो आने वाले समय में, निजता (privacy) सिर्फ एक नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि दुर्लभ संपदा बनकर रह जाएगी।

युवाओं का व्यवहार: तेज़ रिवॉर्ड सिस्टम ने जीवन-दृष्टि बदल दी

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का सबसे बड़ा प्रभाव युवाओं पर पड़ा है। तात्कालिक प्रतिक्रिया, झट से मिलने वाला रिवॉर्ड, वायरल होने का आकर्षण, अनगिनत विकल्पों की उपलब्धता, इन सबके कारण युवाओं में:, धैर्य कम हुआ, दीर्घकालीन योजनाओं की क्षमता घट गई, जोखिम लेने का उत्तेजना-प्रधान रुझान बढ़ गया, सामाजिक समर्थन तंत्र कमजोर हुआ, 'चोकर गेम' जैसे खतरनाक उदाहरण यही प्रवृत्ति दिखाते हैं, आज कई युवा मूल सेफ्टी-नेट—परिवार, समाज, परंपरा—की जगह, तात्कालिक वर्चुअल मान्यता को चुन रहे हैं। "लाइक्स" और "व्यूज़" ने "सफलता" की परिभाषा बदल दी है।

यह बदलाव चिंताजनक है, क्योंकि यह समझ धीरे-धीरे खत्म हो रही है कि असली सफलता मेहनत, अनुभव और सामूहिक सहयोग के साथ मिलती है—ना कि 10 सेकंड के वायरल वीडियो से।

यदि नीतियां नहीं बनीं तो भविष्य भयावह है

डिजिटल क्रांति की ताकत जितनी चमकदार दिखती है, उसका अंधेरा पक्ष उतना ही गहरा है। अगर मजबूत नीतियां नहीं बनीं तो: निजता समाप्त हो जाएगी, डेटा कुछ कंपनियों का साम्राज्य बन जाएगा।

प्रवासी राजस्थानी निवेश कर राज्य के विकास में बन रहे सक्रिय सहभागी - भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री को प्रवासी राजस्थानी दिवस के ऐतिहासिक आयोजन के लिए प्रवासी राजस्थानियों ने दी बधाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, चिकित्सा सहित अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही, प्रदेश की भौगोलिक विविधता एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इस विकास यात्रा को और मजबूती देती है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की इस प्रगति में बड़े साझेदार बने हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हम सभी के सहयोग से राजस्थान को देशभर में अग्रणी राज्य बनाकर विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सूरत, लंदन, दुबई, सिंगापुर, कंपाला, टोक्यो, दोहा, म्यूनिख, न्यूयॉर्क , भुवनेश्वर, नैरोबी, कोलकाता एवं दिल्ली चैप्टर्स के सदस्यों के साथ संवाद कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी चैप्टर्स के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनके द्वारा राज्य में किए जाने वाले निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों की राज्य में निवेश के लिए हर संभव मदद की जाए। साथ ही, सिंगल विंडो क्लीयरेंस के माध्यम से उनके निवेश प्रस्तावों पर आवश्यक कार्यवाही की जाए।

प्रवासी राजस्थानियों के हित में लगातार कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रवासी राजस्थानियों का अपनी मिट्टी से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए हमारी सरकार ने प्रथम प्रवासी

राजस्थानी दिवस पर ऐतिहासिक आयोजन किया। प्रवासियों के कल्याण तथा उनके हितों के लिए 'राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामलात विभाग' का गठन किया गया है। साथ ही, प्रवासी राजस्थानी नीति भी लॉन्च की गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के जुड़ाव को और मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स की घोषणा की गई है। जिससे इन चैप्टर्स की कुल संख्या अब बढ़कर 40 हो गई है। शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए प्राथमिकता से कार्य किया गया है। साथ ही, निवेशकों के लिए 'राजनिवेश' पोर्टल भी महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से निवेशक मिनटों में ई-रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर अपने प्रोजेक्ट की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

हम प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए उत्सुक - प्रवासी राजस्थानी

इस दौरान देश-विदेश से आए विभिन्न चैप्टर्स के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस के अभूतपूर्व आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से दुनियाभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों को एक मंच पर आने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि वे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश कर रहे हां और वे इस निवेश को और बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं, जिससे प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके।

संवाद के दौरान प्रवासी राजस्थानियों ने हॉस्पिटैलिटी एवं ट्यूरिज्म सेक्टर, वैलनेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल लिटरेसी, आईटी, सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग फॉर विमेंस, फिल्म शूटिंग, फॉरेन लैंग्वेज, स्किल डेवलपमेंट, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग, मेडिसिन एवं हैल्थ इक्विपमेंट, मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल सहित विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करने की मंशा जताई। अधिकारियों द्वारा इस संबंध में निवेशकों को निवेश संबंधी प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी दी गई।

नव नियुक्त महिला पर्यवेक्षकों और आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अब दी जाएगी आईटी एनेबल्ड ट्रेनिंग- दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा महिला एवं बाल विकास प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा एवं निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में गुरुवार को शासन सचिवालय में निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि नव नियुक्त महिला पर्यवेक्षकों और आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आईटी एनेबल्ड ट्रेनिंग दी जाए। दिया कुमारी ने कहा कि विभागीय अधिकारियों द्वारा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस हेतु अधिकारियों और कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण नियमित रूप से दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण आई टी बेस्ड होनी चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि आँगनबाड़ी सहायिका व कार्यकर्ता, महिला पर्यवेक्षक, सीडीपीओ और उप निदेशकों का क्षमता संवर्धन नियमित रूप से किया जाना चाहिए। दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के आधारभूत विकास पर कार्यों को और गति प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों का आधारभूत सुधार और ढांचागतगत विकास करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आँगनबाड़ी केंद्रों पर शौचालय, पेयजल और विद्तिकरण के कार्य को और गति प्रदान की जाए।

बाघों के साथ जल, जंगल और ज़मीन बचाने के हों प्रयास- राज्यपाल

-राज्यपाल ने जयपुर टाइगर फेस्टिवल का शुभारंभ किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बप्पा रावल के नाम पर ही रावल पिंडी बना हुआ है। वह मेवाड़ के ऐसे पराक्रमी योद्धा थे जिन्होंने अरब से आए मीर कासिम को ईरान तक खदेड़ा। उन्होंने राजस्थान को वीरों की धरती बताते हुए कहा कि यहां सर्वाधिक बाघ अभ्यारण्य होने के साथ ही, प्रकृति संरक्षण परंपराएं भी जीवंत हैं। उन्होंने बाघों के साथ जल, जंगल और ज़मीन बचाने के लिए भी सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। बागडे गुरुवार को जवाहर कला केंद्र में जयपुर टाइगर फेस्टिवल के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाघ उत्सव में आयोजित फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और वन, वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित किया। राज्यपाल बागडे ने कहा कि बाघों के होने से ही पारिस्थितिकी संतुलन बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मनुष्य आबादी के साथ ही बाघों के प्राकृतिक आवास तेजी से संकुचित हो रहे हैं। उन्होंने बाघ संरक्षण के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान

किया। उन्होंने कहा कि बाघ अंब्रेला स्पेसिस है। वह रहेगा तभी जंगल और जंगली जीव सुरक्षित रह सकते हैं। इसी से पर्यावरण संरक्षण बना रहेगा। उन्होंने कहा कि देश में बाघ अभ्यारण्य बनने से ही जंगल बचे रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान भक्ति और शक्ति का ही प्रदेश नहीं है, गौ पालन का भी सबसे बड़ा स्थान है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है। गौ पूजा, गौशाला स्थापना में राजस्थान अग्रणी है। उन्होंने बाघ को विश्व का बहुत सुंदर और शक्तिशाली जीव बताते हुए कहा कि विश्व के 75 प्रतिशत बाघों की संख्या अकेले हमारे देश में हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के रणथम्भौर नेशनल पार्क, मुकुंदरा टाइगर रिजर्व व सरिस्का टाइगर रिजर्व को अच्छी श्रेणी का टाइगर रिजर्व माना गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में कुल 160 बाघ हैं, जिनमें 144 जंगली और 16 कैप्टिविटी में हैं। रणथंभौर में सबसे ज़्यादा 71 बाघ हैं। राज्यपाल ने कहा कि स्वच्छ जल, भूमि उर्वरता में सुधार आदि के साथ ही जैव विविधता का संरक्षण बाघों की आबादी पर ही निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि बाघ संरक्षण के साथ पर्यटन का विकास भी इस तरह से हो कि वन्य जीवों को किसी तरह की हानि नहीं पहुंचे। उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के लिए जन चेतना का प्रसार करने का आह्वान किया।

नईमुद्दीन आकिल पारिवारिक न्यायालय बार चुनाव में उपाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)| नईमुद्दीन आकिल पारिवारिक न्यायालय बार एसोसिएशन के 2025-2026 के वार्षिक चुनाव में उपाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के पद पर सुजाता वर्मा, विजेता यादव, पूनम जैन, मीता अग्रवाल व अशोक कुमार को निर्वाचित किया है। इनकी नियुक्ति पर साथी वकीलों ने खुशी जताई और फूल-माला पहनाकर सभी का स्वागत किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक ने की राजस्थान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समीक्षा

-शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक आशीष मोदी ने गुरुवार को राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर विभाग से संबंधित प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समीक्षा बैठक की और पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मोदी ने मुख्यालय अंबेडकर भवन के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में कहा कि विभाग संपर्क पोर्टल के माध्यम से संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ परिवेदना के समयबद्ध निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण पोर्टल पर आने वाली किसी भी शिकायत या परिवेदना के निस्तारण में पूर्ण संवेदनशीलता दिखाए और प्राथमिकता के साथ उसे निस्तारित करवाए।

निर्देशक ने पोर्टल पर दर्ज सभी शिकायतों की श्रेणी और उनमें लगने वाले समय की जानकारी ली। इस दौरान वृद्धजन पेंशन, नशामुक्ति, पालनहार, कन्यादान, अंतरजातीय विवाह, एट्रोसिटी,

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति सहित विभिन्न योजनाओं में 90 दिनों से अधिक लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता के साथ संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में संतुष्टि के स्तर को बढ़ाने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण प्रकरणों में अस्पष्ट जवाब ना दे, दस्तावेज, नियमों या किसी अन्य कारण से होने की कमी पर स्पष्ट लिखें। उन्होंने कहा कि 45 दिनों के बाद शिकायतों के निस्तारण नहीं होने पर व्यक्तिगत तौर पर आवेदक से संपर्क करें, ताकि समस्या का समाधान त्वरित हो सके। मोदी ने अधिकारियों से कहा कि वे संपर्क पोर्टल पर मिल रही समस्याओं की निरंतर मॉनिटरिंग करें, जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके तथा उसे राहत मिले। उन्होंने कहा कि राजस्थान जनसंपर्क पोर्टल पर आने वाली शिकायतों को सक्षम स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। इनके निस्तारण में किसी भी तरह की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त निदेशक जेपी बैरवा, अतिरिक्त निदेशक श्रीमती रीना शर्मा, अतिरिक्त निदेशक रामेश्वर परसोया, अतिरिक्त निदेशक अरविंद सैनी सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने ली हैरिटेज सेल की समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने गुरूवार को नगर निगम मुख्यालय के सभागार भवन में हैरिटेज सेल की समीक्षा बैठक ली। बैठक में हैरिटेज सेल द्वारा चारदीवारी क्षेत्र के संरक्षण व स्वरूप को बनाये रखने के लिए अब तक किये गये कार्यों एवं वर्तमान स्थिति के बारे में संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैठक में उपायुक्त सतर्कता अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक, एटीपी, डीडीपी, XEN, JEN सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने हैरिटेज सेल को और अधिक सुदृढ होकर कार्य करने के निर्देश के साथ-साथ परकोटा दीवार के बचे हुए मरम्मत कार्य को शीघ्र ही शुरू किये जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। आयुक्त ने कहा कि चार दीवारी क्षेत्र को यूनेस्को स्वरूप में बनाये रखने हेतु उपायुक्त किशनपोल जोन, हवामहल आमेर जोन, आदर्श नगर जोन, उपायुक्त विजीलेंस व हैरिटेज सेल को अस्थाई अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों पर प्रभावी कार्यवाही की जाने एवं अवैध होर्डिंग बैनर पोस्टर को हटाने के निर्देश दिये। बैठक में किशनपोल एवं आदर्श नगर जोन में हैरिटेज सेल व उपायुक्त जोन द्वारा किये गये सीज भवनों की कारवाई की भी समीक्षा की गई साथ ही आयुक्त ने अवैध व अस्थायी अतिक्रमणों पर प्रभावी कारवाई करने के निर्देश दिये।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई,14 केन्टर सामान जब्त

-46 हजार 500 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वीटी रोड़ के चारां तरफ, अरावली पथ, शिप्रा पथ मानसरोवर, विधुत नगर चौराहा, एवं गांधी पथ, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, घाटगेट, नाहरगढ़ रोड, श्याम नगर, न्यू सांगानेर रोड, मेट्रो पोल नं. 166-167 के बीच, कलेक्ट्रेट रोड, रेलवे स्टेशन सिंधी कैंप, जनाना अस्पताल रोड, चांदपोल सब्जी मंडी आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 46 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 14 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वीटी रोड़ के चारां तरफ, अरावली

पथ, शिप्रा पथ मानसरोवर, विधुत नगर चौराहा, एवं गांधी पथ, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, घाटगेट, नाहरगढ़ रोड, श्याम नगर, न्यू सांगानेर रोड, मेट्रो पोल नं. 166-167 के बीच, कलेक्ट्रेट रोड, रेलवे स्टेशन सिंधी कैंप, जनाना अस्पताल रोड, चांदपोल सब्जी मंडी आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 14 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 46 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

रेल्वे ऑफिसर्स कॉलोनी, वैशाली नगर में कनकपुरा रेल्वे स्टेशन के पीछे सेक्टर रोड़ सीमा को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-07 में रेल्वे ऑफिसर्स कॉलोनी, वैशाली नगर में कनकपुरा रेल्वे स्टेशन के पीछे सेक्टर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-03 सरकारी भूमि पर बने पुराने अत्यधिक जर्जर, अनुपयोगी कियोस्कों के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-07 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित रेल्वे ऑफिसर्स कॉलोनी, वैशाली नगर में कनकपुरा रेल्वे स्टेशन के पीछे सेक्टर रोड़ सीमा पर अतिक्रमण कर बाउण्ड्रीवाल का अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज जोन-07 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर सेक्टर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जेडीए द्वारा जोन-03 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित इमली फाटक, सहकार मार्ग, जिला जयपुर में सरकारी भूमि पर बने पुराने अत्यधिक जर्जर, हो रहे 02 अनुपयोगी कियोस्कों को जोन 03 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, तृतीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-07, 03 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

राजीविका एवं मंजरी फाउंडेशन के बीच एमओयू

–महिला संचालित ग्रामीण उद्यमों के सशक्तिकरण को मिलेगा नया आयाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) और मंजरी फाउंडेशन के मध्य गुरुवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित किया गया। यह साझेदारी ग्रामीण क्षेत्रों में महिला-संचालित उद्यमों को अधिक सक्षम, संगठित और बाज़ार-उन्मुख बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा की गयी। श्रीमती नेहा गिरि, स्टेट मिशन डायरेक्टर, राजीविका, तथा संजय कुमार कार्यकारी निदेशक, मंजरी फाउंडेशन, द्वारा हस्ताक्षर कर एमओयू का आदान— प्रदान किया गया। उपरोक्त अवसर पर श्रीमती प्रीति सिंह, प्रोजेक्ट डायरेक्टर (एडमिन), राजीविका, स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर्स, राजीविका एवं राजीविका तथा मंजरी फाउंडेशन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मंजरी फाउंडेशन

द्वारा प्रस्तुत सहयोग मॉडल के अंतर्गत महिला-संचालित उद्यमों को संस्थागत विकास, नेतृत्व क्षमता, उत्पादन गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, बाज़ार संपर्क और अनुपालन जैसे अनेक आयामों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह सहयोग उद्यमों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, उनकी बाजार-पहुँच बढ़ाने और मजबूत व्यावसायिक पहचान स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एमओयू के तहत राज्यभर से 10–12 उद्यमों का चयन किया जाएगा, जिन्हें पाँच वर्षों की चरणबद्ध प्रशिक्षण श्रृंखला, विशेषज्ञ मेंटरशिप और बाज़ार-उन्मुख रणनीतियों के माध्यम से सुदृढ़ किया जाएगा। इस पहल से उत्पादन दक्षता, ब्रांड पहचान और बिक्री वृद्धि में उल्लेखनीय प्रगति होने की अपेक्षा है। राजीविका और मंजरी फाउंडेशन का यह सहयोग राजस्थान की ग्रामीण महिलाओं को सक्षम, आत्मनिर्भर और भविष्य-तैयार उद्यमी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत सत्र 2025-26 की प्रोविजनल मैरिट सूची जारी

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रोविजनल मैरिट सूची जारी कर दी गई है। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रोविजनल मैरिट सूची जारी कर, अभ्यर्थियों को आवंटित कोचिंग संस्थान उनकी एसएसओ आईडी पर प्रदर्शित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर, 2025 तक अभ्यर्थियों को ज्वाइन/ ऑटोअपग्रेड/ज्वाइन नहीं करने के तीन विकल्प उनकी एसएसओ आईडी पर प्रदर्शित होंगे, उनमें से एक विकल्प का चयन करना होगा। उन्होंने बताया कि यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी भी विकल्प का चयन नहीं किया जाता है तो उसकी ज्वाइन करने की सहमति मानी जाएगी। मोदी ने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा ज्वाइन किए जाने की सहमति प्राप्त नहीं होने पर, योजनान्तर्गत सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में रिक्त रह गई सीटों पर ऑनलाईन पोर्टल पर कोचिंग संस्थान ऑटो अपग्रेड करने के लिए प्रस्तुत ऑनलाइन अनुरोधों तथा उच्च मैरिट होते हुए भी कुछ अभ्यर्थियों द्वारा उनके प्रिफरेन्स में भरी गई संस्थानों में उस समय सीमित सीट उपलब्ध होने के कारण प्रोविजनल मेरिट सूची में आवंटित नहीं हो पाई, ऐसे अभ्यर्थियों को कोचिंग संस्थानों में श्रेणी/वर्ग वार उपलब्ध रिक्तियों तथा उनकी मेरिट के अनुसार केवल एक बार कोचिंग संस्थान ऑटो अपग्रेड किए जाने का प्रावधान योजना के पोर्टल पर है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा ऑटोअपग्रेड/ज्वाइन किए जाने की सहमति उपरान्त मुख्य मैरिट सूची जारी की जावेगी। उन्होंने बताया कि सत्र 2025-26 के लिए जारी मुख्य मैरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को इसी शैक्षणिक सत्र में विभाग द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि तक उनको आवंटित कोचिंग संस्थान के सूचीबद्ध किसी भी केन्द्र में अपनी सुविधानुसार आधार आधारित बायोमैट्रिक पहचान (फिंगर प्रिंट/आयरिश स्कैन / फेस रिकॉग्निशन) के माध्यम से ज्वाइन करना होगा। उन्होंने बताया कि उनको आवंटित कोचिंग संस्थान के किसी केन्द्र ज्वाइन कर लिए जाने के उपरान्त केन्द्र परिवर्तन करने का विकल्प नहीं दिया जाएगा।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/ 108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान:

फूल और चॉकलेट देकर समझाईश, शासन के दो वर्ष पूर्ण होने पर विशेष कार्यक्रम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान 2025 के तहत गुरुवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर भंवर लाल जनागल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी तथा जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा ने शहर के प्रमुख चौराहों, चार मूर्ति चौराहा, प्रताप चौक, धर्मादा चौराहा एवं पुलिस लाइन परिसर पर बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगाए वाहन चालकों को रोककर अनूठे ढंग से जागरूक किया। अधिकारियों ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को दंडित करने के बजाय फूल और चॉकलेट भेंट कर सौम्य तरीके से सड़क सुरक्षा की महत्ता बताई। उन्होंने सभी चालकों से आग्रह किया कि स्वयं की और परिवार की सुरक्षा के लिए दोपहिया वाहन पर हमेशा हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवर लाल जनागल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं अक्सर लापरवाही और सुरक्षा उपकरणों का उपयोग न करने के कारण होती हैं। ऐसे में जन-जागरूकता ही दुर्घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई तथा बताया कि सुरक्षित यातायात से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि समाज में जिम्मेदार नागरिकों का उदाहरण भी स्थापित होगा। जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा पूरे जिले में दिसंबर माह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बच्चों, युवाओं और राहगीरों से भी संवाद कर उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। जिले के विभिन्न स्थानों पर पुलिस एवं परिवहन विभाग की टीमों ने पंपलेट वितरित कर सड़क सुरक्षा संदेश भी दिए। इस अनूठी पहल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और वाहन चालकों ने भविष्य में हेलमेट व सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने का संकल्प लिया।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान:

अजमेर की बौद्धिक एवं सृजनात्मक कौशल अभिवृद्धि हेतु ज़िला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय सर्वहितकारिणी बालिका उ.मा. वि. (पुत्री पाठशाला) चूरू में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर द्वारा सत्र 2025-26 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए ज़िला स्तरीय बौद्धिक एवं सृजनात्मक कौशल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य अमर सिंह कसवां ने समस्त प्रतियोगियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किये व अंत में विजेताओं के नाम की घोषणा की। उप-प्रधानाचार्य महावीर प्रसाद ने समस्त प्रतियोगिताओं की व्यवस्था की। प्रश्नोत्तरी में प्रथम रतनगढ़ ब्लॉक से बाबूलाल द्वितीय सुजानगढ़ ब्लॉक से अंकिता सुथार तृतीय रतनगढ़ ब्लॉक से रितिका चारण रही।निबंध लेखन में प्रथम छापर ब्लॉक से तमन्ना स्वामी द्वितीय राजगढ़ ब्लॉक से भारती तृतीय सरदारशहर ब्लॉक से गुंजन रही। आशु भाषण में प्रथम चूरू ब्लॉक से मेघना तंवर द्वितीय सुजानगढ़ ब्लॉक से रोजा खान तृतीय तारानगर ब्लॉक से स्नेहा रही। चित्रकला में प्रथम तारानगर ब्लॉक से मोहित द्वितीय सुजानगढ़ ब्लॉक से विष्णु शर्मा तृतीय चूरू ब्लॉक से अलवीरा रही। एकल गायन में प्रथम गणेश (बीदासर), द्वितीय रक्षा (छापर), तृतीय हर्षित परिहार (रतनगढ़) रहे। प्रतियोगिता में संगीता सिंघी, रणधीर सिंह, जमना शर्मा, विद्याधर शिवरान, माधुरी शर्मा, राज कंवर, रामसिंह सिंहाग, शारदा, सुशिला, राजेन्द्र चौबे, प्रभुदयाल सैनी, लक्ष्मी शर्मा आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में सुभाष लाटा, राजकुमार सिंह, विद्या गढ़वाल, मंजू सोनी, राजेश कस्वां, बेगराज कसवां आदि ने प्रभारी की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को बोर्ड द्वारा 7500 रुपये, द्वितीय स्थान के लिए 6000 रुपये एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 5000 रुपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को राज्य स्तर पर भेजा जाएगा। प्रतियोगिता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन सुभाष शर्मा द्वारा किया गया।

हिंडौन सिटी में सीवरेज सिस्टम फेल, सीवरेज ओवरफ्लो से सडके जलमगन

-चैंबरों के ढक्कन खुले दे रहे हादसों को न्योता

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। बयाना रोड के पास बनकी रोड ब्रह्मपुरी कॉलोनी में सीवरेज सिस्टम फैल, जगह-जगह सीवरेज के चैबर हो रहे ओवरफ्लो, रास्ते बन रहै जलमग्न, आने जाने बाले राहगीरो को हो रही भारी परेशानी, खरेटा रोड पर टेढ़ा हुआ सीवरेज का ढक्कन दुर्घटनाओं का अंदेशा, दिन भर यहां से वाहनों का आवागमन रहता है, हादसे का न्योता देंरा सीवरेज का टेढ़ा ढक्कन, छोटे मामले बन जाते हैं बड़े हादसे का कारण, कभी भी हो सकता है हादसा, या विभागीय अधिकारी कर रहे हैं किसी बड़े हादसे का इंतजार।

'संविधान के मौलिक अधिकार' पर जन जागरूकता: नागरिकों ने ली संवैधानिक शपथ

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। हिंडौन सिटी (पापटिया का पुरा) 11 दिसंबर, को भारतीय मानवाधिकार सेवा संगठन द्वारा हिंडौन सिटी के पापटिया का पुरा गाँव में भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के महत्व और जानकारी को आम जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से, 10 दिसंबर, 2025 को एक विशाल जन जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

जिनमें मुख्य रूप से: जिला अध्यक्ष सचिन गुलपाड़िया, ग्राम अध्यक्ष गौरव, ग्राम उपाध्यक्ष सचिन मधुकर, ग्राम सचिव अंकित जन जागरूकता और संवैधानिक शपथ: कार्यक्रम की शुरुआत में, जिला अध्यक्ष सचिन गुलपड़िया ने सभी उपस्थित 100 लोगों को संविधान के आदर्शों का पालन करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई।

स्थानीय समस्याओं पर आश्वासन: इस अवसर पर, नागरिकों द्वारा रखी गई प्रमुख स्थानीय समस्याओं—कच्चे श्मशान घाट को पक्का करने, गंदे पानी की नालियों के निर्माण, और कच्ची सड़कों को पक्का करने—पर भी चर्चा की गई। सचिन गुलपड़िया ने संगठन की ओर से इन सभी स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित उच्च अधिकारियों से संपर्क करने का विश्वास दिलाया। इस कार्यक्रम में पापटिया का पुरा और आस-पास के क्षेत्रों से लगभग काफी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सरस्वती लाइब्रेरी का भव्य शुभारंभ, गोलसर में शिक्षा की नई पहल

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव गोलसर में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मां सरस्वती लाइब्रेरी गोलसर का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता आरिफ खान प्रिंसिपल,रा.उ.मा.वि. गोलसर ने की। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे: विजेंद्र मीणा (प्रधानाध्यापक, रा.क.उ.प्रा.वि.) शिशुपाल चिनिया (Ex. CAO, BSNL) महिपाल कड़वासरा निदेशक, आदर्श विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान गोलसर मास्टर गोविन्द मेघवाल और नरेंद्र चिनिया गांव के सभी गणमान्य नागरिकों और युवाओं ने अपनी उपस्थिति से इस आयोजन को सफल बनाया। संस्थान की विशेषताएं:विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए शांत और अनुकूल वातावरण, पूर्णतः AC हॉल, फ्री हाई-स्पीड वाई-फाई, सीसीटीवी निगरानी और छात्र-छात्राओं के लिए अलग बैठने की बेहतरीन व्यवस्था। संस्थान के निदेशक रमेश चिनिया की यह पहल हमारे गांव के बच्चों को आगे बढ़ने में बहुत मदद करेगी।

भनकपुरा विद्यालय में भामाशाह ने विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र व फल किए वितरित

टोडाभीम (रॉयल पत्रिका)। टोडाभीम उपखंड की ग्राम पंचायत भनकपुरा में संचालित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ग्राम पंचायत भनकपुरा के गांव सरसैना निवासी भामाशाह वबलेश मीणा के द्वारा विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थी छात्र छात्राओं को गर्म वस्त्र व फल वितरित किए हैं। प्रधानाचार्य विक्रम कुमार मीणा ने बताया कि विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र व फल वितरित करके भामाशाह ने अपना जन्मदिन मनाया।इसी के साथ भामाशाह मीना द्वारा बोर्ड परीक्षा 2026 में 80 फीसदी या इससे अधिक अंक लाने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को हवाई यात्रा द्वारा शैक्षणिक भ्रमण कराने की एवं उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों को विशेष रूप से पुरूस्कृत किए जाने की घोषणा की। विद्यालय प्रबंधन के द्वारा भामाशाह मीणा का माला साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया।इस दौरान मानवाधिकार दिवस भी विद्यालय परिसर में मनाया जिसमें कई शिक्षको ने अपने विचार व्यक्त किये।इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम कुमार मीणा जगदीश प्रसाद बेरवा सहित विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने भानीपुरा तहसील कार्यालय व पुलिस थाने का निरीक्षण, देखी व्यवस्थाएं, दिए निर्देश

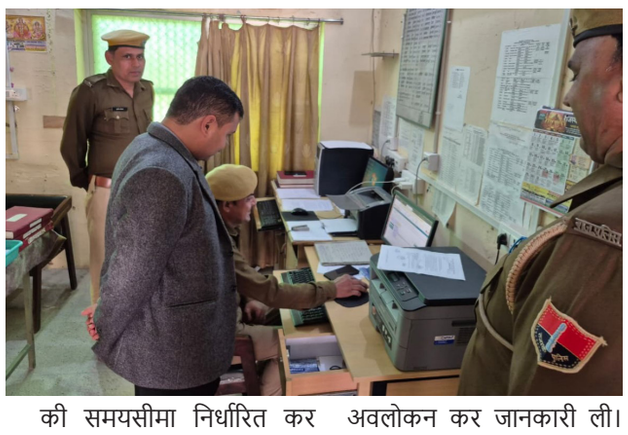

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिले के भानीपुरा तहसील कार्यालय तथा पुलिस थाने का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी और आवश्यक दिशा—निर्देश दिए। भानीपुरा तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर रिकॉर्ड, स्टाफ, भवन, न्यायालय शाखा, राजस्व शाखा, पंजीयन शाखा, भू—अभिलेख शाखा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि राजस्व कार्यों में आमजन को बेहतरीन सेवाएं दी जाएं। कार्यालय परिसर में समुचित साफ—सफाई रखें तथा बेहतरीन विभागीय सेवाओं का लाभ आमजन को दें। उन्होंने तहसील कार्यालय में नामांतरण, फार्मर रजिस्ट्री, राजस्व अभिलेख, पंजीयन आदि के बारे में जानकारी ली और समुचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न्यायालय प्रकरणों, नामांतरण, विभाजन, सीमाज्ञान आदि कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। प्रत्येक प्रकरण की समयसीमा निर्धारित कर नियमित मॉनिटरिंग से निस्तारित करें। तहसील कार्यालय में तहसीलदार मुरारी लाल ने जानकारी दी। इस दौरान नायब तहसीलदार पवन कुमार, नायब तहसीलदार महावीर मीणा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी भवानी सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। इसके बाद जिला कलक्टर सुराणा ने भानीपुरा पुलिस थाने में मालखाने, रिकॉर्ड, भवन, स्टाफ रूम और कार्यालय का निरीक्षण किया तथा ऑनलाइन रोजनामचे, विलेज क्राइम नोटबुक (वीसीएनबी) का अवलोकन कर जानकारी ली। उन्होंने भानीपुरा क्षेत्र में सड़क सुरक्षा गतिविधियों को बढ़ाने और हाइवे पर सड़क एजेंसियों से समन्वय करते हुए आवश्यक संकेतक, ब्रेकर बनवाने सहित निर्देश दिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को आमजन की शिकायतों का संवेदनशीलता पूर्वक निस्तारण करने और कानून व सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के निर्देश दिए। हैड कांस्टेबल रामचंद्र व विनोद कुमार ने व्यवस्थाओं से अवगत करवाया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर विशेष कार्यक्रम

पाली (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग पाली के उपनिदेशक भागीरथ के निर्देशन में रा.बा. उ.मा.विद्यालय गुंदोज में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला अधिकारिता विभाग पाली के उपनिदेशक भागीरथ के निर्देशन में रा.बा. उ.मा.विद्यालय गुंदोज में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों एवं लिंग-आधारित हिंसा की रोकथाम हेतु 15 दिवसीय विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। जिला हब, एंपावरमेंट ऑफ वूमेन से जेंडर स्पेशलिस्ट राजश्री ने बालिकाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि बाल विवाह न केवल बालिकाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है, बल्कि इससे उनके शिक्षा और विकास के अवसर भी सीमित हो जाते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि यदि किसी को बाल विवाह की सूचना मिले, तो वह तुरंत 1098 हेल्पलाइन नंबर पर इसकी जानकारी दें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई हो सके।इस अवसर पर राजश्री ने सभी बालिकाओं से बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ भी दिलवाई। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे कि सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला सलाह सुरक्षा केंद्र, लाडो योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में विद्यालय की अध्यापिका अनीता डूडी, वीना मीणा, सोनिया, रचना, संतोष सहित बालिकाएं उपस्थित रहीं जिन्होंने बाल विवाह के खिलाफ अपनी जागरूकता और प्रतिबद्धता जाहिर की। इस तरह के कार्यक्रम न केवल बालिकाओं को सशक्त बनाते हैं, बल्कि समाज में बाल विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का हुआ शुभारम्भ

-वाहन चालकों एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति किया जाएगा जागरूक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा गुरुवार से पूरे प्रदेश में शुरू हो गया। इसी क्रम में परिवहन विभाग द्वारा गुरूवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में रणथम्भौर सर्किल पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर पखवाड़े का शुभारम्भ किया गया। जिला परिवहन अधिकारी हनुमान मीणा ने बताया कि सड़क सुरक्षा पखवाड़े का आयोजन 11 से 25 दिसम्बर तक किया जाएगा। पखवाड़े के दौरान प्रत्येक दिन अलग-अलग थीम पर आधारित कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रथम दिन गुरुवार को हम्मीर सर्किल से सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए वाहन चालकों एवं आमजन को हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को शहर के विभिन्न स्कूलों में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। वहीं शनिवार को शहर में भव्य यातायात जागरूकता रैली निकाली जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत 25 दिसम्बर तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता और यातायात नियमों के महत्व पर विशेष अभियान चलाए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों को कम करना और लोगों को सुरक्षित व जिम्मेदार चालक बनने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान नगर परिषद सभापति सुनील तिलकर सहित जनप्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहे।

भाषा व्यक्ति, समाज की पहचान का महत्वपूर्ण घटक है: पवन पाण्डेय

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय साहित्य परिषद पाली द्वारा जोधपुर प्रांत प्रचार प्रमुख पवन पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में विचार काव्य गोष्ठी का आयोजन आशापुरा नगर स्थित पं. विष्णुप्रसाद चतुर्वेदी सभागार में आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष भंवरसिंह राठौड़ चोटिला ने बताया कि गोष्ठी का शुभारंभ कवि श्रीराम वैष्णव कोमल ने सरस्वती वंदना 'हे मां स्वर दे स्वर दे शब्दों की पावन तुलसी मेरे अधरों पर धरे दे' प्रस्तुत की। साहित्यकार पवन पाण्डेय ने कवि भरतियार की प्रमुख कविता प्रकाश की सेना उठो उठो रोशनी की सेना अब समय आ गया है अंधकार को भगाओ विश्व में प्रकाश फैलाओ के माध्यम से अपने विचारों को प्रकट किया। 32 भाषाओं के जानकार तमिल कवि भरतियार जिनका वास्तविक नाम चिन्नास्वामी सुब्रह्मण्यम भारती है, के जन्मदिवस को भारतीय भाषा दिवस के रुप में मनाया जा रहा है। युगद्दष्टा भारती ने देश की विभिन्न संस्कृतियों भाषाओं को जोड़ने का कार्य किया। भाषा संस्कृति को सीखने की आवश्यकता नहीं होती है वह तो जन्मजात व्यक्ति और समाज की पहचान कराने के मुख्य घटक है। माँ, मातृभूमि, मातृभाषा सभी को प्रिय है। बालक के मानसिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास में मातृभाषा प्रमुख होती है। कवि नाथूसिंह राजपुरोहित मनवा ने क्यों करें नर काम वे ज्यों सूं लाजे जात एवं श्रम श्रम री महिमा। श्रीराम वैष्णव कोमल ने ऊँची नींची टेढ़ी मेढ़ी पगडंडियों पे चलना आदत नहीं है मेरी मुझसे मेरी मंजिल के बीच का है पथ चलते चलना है मुझे जीवन के अंतिम पड़ाव तक कविता प्रस्तुत की। कवि प्रवीण त्रिवेदी वंदे त्वां भूदेवी आर्य मातरम् जयतु जयतु पद युगलन ते निरंतरम् संस्कृत में गीत प्रस्तुत की। कवि दिलीप बच्चानी ने सिंधी भाषा में उतारन ऐ चढ़ावन जी कहानी आहे सीधी सादी जिंदगी बेस्वाद बेमानी आहे। गोष्ठी का संचालन कवि मनीष कुमार अनैतिक ने किया।

अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष शहर से हमिद रंगरेज व ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह बने

इकबाल शाह बनेड़ा

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के निदेर्शानुसार, भीलवाड़ा शहर अध्यक्ष हामिद रंगरेज व ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह को अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही जिले में हर्ष की लहर दौड़ गई। बनेड़ा कांग्रेस कार्यालय में इकबाल मोहम्मद शाह को माला व साफा बंधवाकर जबरदस्त स्वागत किया गया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी व प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार का नारा लगाकर कांग्रेस कार्यालय को गूंजा उठा और कांग्रेस कार्यालय पर जबरदस्त आतिशबाजी की गई नियुक्ति के बाद जिला अध्यक्ष हामिद रंगरेज ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेशाध्यक्ष एम.डी. चैपदार एवं मांडलगढ़ नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जफर अली को बधाई दी। इकबाल मोहम्मद शाह ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे वे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। इकबाल शाह ने कहा कि वे सभी को जोड़ने, संगठन को जिले में मजबूत बनाने और प्रदेश नेतृत्व की नीतियों एवं योजनाओं को जिले के आखिरी व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए तैयार रहूंगा। इस दौरान, मांडलगढ़ पूर्व अध्यक्ष जफर अली टाक, विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर, आरिफ खान, निसार सिलावट, बनेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष नारायण लाल गाडरी, इब्राहिम खान पठान, नियाज मोहम्मद सिलावट, समाजसेवी इमरान अंसारी, पिंटू शाह, इमरान पठान आदि लोग मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री देवासी 13 को जिले के प्रवास पर एलईडी प्रचार रथों को दिखाएंगे हरी झण्डी

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य मंत्री, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी शनिवार को जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्रभारी मंत्री शनिवार को प्रातः 11 बजे जिला मुख्यालय पर राज्य सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर राज्य सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में जानकारी देंगे एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए एलईडी प्रचार रथों को रवाना कर सरकार के दो वर्ष के कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ करेंगे।

खेल हमारे जीवन का आवश्यक हिस्सा - जैन

-शैक्षणिक गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमो का हुआ आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर के खैरवा रोड स्थित कंकू विजय महाविद्यालय कॉलेज बुधवार को सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमे खेलकूद एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. करण सेन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के निर्देशक अभिषेक जैन एवं समन्वयक दिनेश विश्नोई द्वारा माँ सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर निर्देशक जैन ने कहा कि खेल हमारे जीवन का आवश्यक भाग है जिससे शरीर तुस्त व मजबूत रहता है उन्होने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियो में छिपी प्रतिभा निखर कर सामने आती है। वही डॉ. सैन ने सांस्कृतिक एवं सह शैक्षणिक

गतिविधियों को प्रशिक्षण का हिस्सा बताते हुए सर्वांगीण विकास की बात पर जोर दिया। आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अनीता,भावना और अन्य प्रशिक्षणर्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लियाकविता प्रतियोगिता मे मनीषा चैधरी, भावना ने कविता पाठ किया गायन प्रतियोगिता मे गजेंद्र जांगिड़, प्रवीण प्रजापत ने अपनी सुरीली आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वाद विवाद प्रतियोगिता, गोला फेक, लम्बी कूद, ऊँची कूद, बाधा दौड़ प्रतियोगिता रखी गई, कार्यक्रम में डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. अंजना अरोड़ा,प्रवीण द्विवेदी लता महावर नेमीचंद चंद्र प्रकाश सेन सूर्य प्रताप सिंह मानसी शर्मा प्रीति परिहार प्रदीप जोशी गोविंद सेन सभी व्याख्याता ने अपना अपना योगदान दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर मानवाधिकारों का महत्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बांगड पीजी महाविद्यालय, पाली में अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर मानवाधिकारों का महत्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मानवाधिकार क्लब प्रभारी डॉ. अनुपम चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्य वक्ता डॉ. कीर्तिपाल सिंह द्वारा मानवाधिकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मानवाधिकार सरंक्षण अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने अपने उद्बबोधन में बताया कि मानवाधिकार हर व्यक्ति को जन्मजात प्राप्त होने वाले वे मूलभूत अधिकार है जो सम्मानजनक जीवन जीने, स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करते है इनका महत्व इसलिए अत्यधिक है क्योंकि ये भेदभाव उत्पीडन

और अन्याय से रक्षा प्रदान करते है। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बबोधन में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. महेन्द्रसिंह राजपुरोहित ने मानवाधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये अधिकार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शान्ति एवं गौरव बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। संयुक्त राष्ट्रीय की 1948 की सार्वभौमिक घोषणा ने इन्हे सभी मनुष्यो के समान घोषित किया जो सरकारों को जवाबदेह बनाती है। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. अनिल सिसोदिया ने अतिथियों को आभार प्रकट किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरीश मल्ल ने किया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि त्रिवेदी, डॉ. रमेश चांवला तथा महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीकर में अस्थाई अतिक्रमण पर बड़ा अभियान

-बजाज सर्किल (बजरंग कांटा) से कृषि मंडी तक सख्त कार्रवाई, रेहड़ी-ठैले जब्त

सीकर (रॉयल पत्रिका)। शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने, पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा नगर को अतिक्रमण-मुक्त बनाने के संकल्प के साथ फिर एक बार नगर परिषद सीकर द्वारा बजाज सर्किल (बजरंग कांटा) से कृषि मंडी तक व्यापक अस्थाई अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा के स्पष्ट निर्देशों पर अतिक्रमण प्रभारी एवं राजस्व अधिकारी प्रमोद सोनी के नेतृत्व में प्रवर्तन दस्ते ने मुख्य मार्गों और फुटपाथों पर अव्यवस्थित रूप से जमे रेहड़ी-ठैलों को हटाया, अनेक ठैलों को जब्त किया तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान काटे। इस कार्रवाई से क्षेत्र में यातायात अवरोध समाप्त हुआ तथा आमजन को सुगम आवागमन की राहत मिली। इसी अभियान के तहत रोड़वेज बस डिपो क्षेत्र में भी फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को मौके पर समझाइश कर तत्काल अतिक्रमण हटवाया गया और दोबारा अतिक्रमण न करने की कड़ी चेतावनी दी गई। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने कहा कि फुटपाथ आमजन के लिए बनाए गए हैं न कि अतिक्रमण के लिए। नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी दुकानदारों एवं रेहड़ी-ठैला संचालकों से अतिक्रमण न करने और नगर व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की।नगर परिषद ने यह भी स्पष्ट किया कि अतिक्रमण के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर, नियमित एवं सख्ती के साथ जारी रहेगा।

उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस निलंबित, कम वजन पाए जाने पर निर्माता एवं विक्रेता को नोटिस जारी

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। कृषकों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर कृषि विभाग द्वारा की गई जांच के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर जिले में एक उर्वरक विक्रेता के अनुज्ञापत्र को निलंबित कर दिया गया है। सहायक निदेशक कृषि (वि) चित्तौड़गढ़ अंशु चौधरी, कृषि अधिकारी (सामान्य) गोपाल लाल धाकड़, कृषि अधिकारी (पौध संरक्षण) ज्योति सिरोया, तथा कृषि अधिकारी (प्रशिक्षण) शिवांगी जोशी द्वारा मैसर्स सांवलिया कृषि सेवा केन्द्र, भादसोड़ा के विक्रय परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उर्वरक अनुज्ञापत्र संख्या 3365 (R) दिनांक 16.06.2027 तक वैध है और परिसर में नीमकोटेड यूरिया के 670 बैग प्राप्त होकर वितरित कर दिए गए थे। शिकायत मिलने पर एक यूरिया बैग का वजन कराया गया, जो निर्धारित मात्रा से

कम पाया गया। इस पर संयुक्त निदेशक कृषि (वि), चित्तौड़गढ़ द्वारा विक्रेता एवं निर्माता कंपनी मैसर्स डीसीएम श्रीराम लिमिटेड, चित्तौड़गढ़ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। प्राप्त जवाब संतोषजनक नहीं होने पर आगे कठोर कार्यवाही की जाएगी। इसी प्रकार, सहायक निदेशक कृषि (वि) कपासन रामजस खटीक एवं कृषि अधिकारी (पौध संरक्षण) हीरालाल सालवी द्वारा मैसर्स जय किसान एग्रो एजेंसी, गंगरार के विक्रय परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि विक्रेता द्वारा स्टॉक रजिस्टर का संधारण नहीं किया गया, किसानों को उर्वरक क्रय के बिल नहीं दिए जा रहे थे, तथा मूल्य सूची भी प्रदर्शित नहीं की गई थी। इन अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए सहायक निदेशक द्वारा उर्वरक अनुज्ञापत्र निलंबन की अनुशंसा की गई, जिस पर संयुक्त निदेशक कृषि (वि) द्वारा मैसर्स जय किसान एग्रो एजेंसी, गंगरार का उर्वरक अनुज्ञापत्र निलंबित कर दिया गया है।

दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक संवाद में किसानों को मिली आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। कृषि विज्ञान केन्द्र बूंदी पर कार्यालय उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा), बूंदी के सहयोग से दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। यह संवाद कार्यक्रम किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, खेत स्तर की समस्याओं का समाधान करने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. महेश चौधरी ने कहा कि आज का युग तकनीक आधारित कृषि का है, जहाँ किसानों को फसल विविधीकरण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, उन्नत, किस्में, समन्वित पोषण एवं कीट प्रबंधन जैसे बहुआयामी पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ऐसे संवाद कार्यक्रम किसानों एवं वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान के आदान प्रदान का मजबूत माध्यम बनते हैं। इस दौरान क्षेत्र की जलवायु के अनुरूप फल, सब्जी एवं मसाला फसलों की उच्च उत्पादक एवं रोग रोधी किस्मों का परिचय भी कराया। कौशल कुमार सोमानी, उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) ने जिले के नवाचारी कृषकों के नवाचार साझा करते हुये इनको अधिक से अधिक कृषकों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया व

संचार के अन्य माध्यमों से इनका प्रचार-प्रसार का सुझाव दिया। इस दौरान उप निदेशक ने दलहन व तिलहन फसलों में राइजोबियम कल्चर, पीएसबी जैव उर्वरक और समन्वित कीट प्रबंधन अपनाने का सुझाव दिया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. सेवाराम रुंडला ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जैविक एवं हरित खादों के उपयोग, सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व तथा संतुलित उर्वरक प्रबंधन के विषय में जागरूक किया उन्होंने कहा कि बिना मृदा परीक्षण के अंधाधुंध उर्वरकों का उपयोग मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करता है। मिट्टी की संरचना सुधारने के लिए कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट, फसल अवशेष प्रबंधन व दलहनी फसलों को शामिल करना अत्यंत आवश्यक है। सुरेश कुमार मीणा, सहायक निदेशक आत्मा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख योजनाओं राष्ट्रीय बागवानी मिशन, संरक्षित खेती एवं फल बाग विकास के बारे में जानकारी दी। तकनीकी सहायक महेन्द्र चौधरी ने कृषकों को केन्द्र पर स्थित विभिन्न ईकाइयों जिसमें वर्मी कम्पोस्ट, अजोला, पौधशाला, बकरी पालन, गाय पालन, गृह वाटिका, प्राकृतिक खेती के साथ ही बीज विधायन केन्द्र का भ्रमण करवाया व विभिन्न खाद्यान्न एवं दलहनी फसलों की नवीनतम किस्मों की जानकारी साझा की। संवाद सत्र में किसानों ने फलदार पौधों, फूलों की खेती, फसल रोग, कीट प्रकोप, सिंचाई समस्या. जल संरक्षण, पशु रोगों तथा उर्वरक उपलब्धता से जुड़ी अपनी वास्तविक समस्याएँ रखी। वैज्ञानिकों ने प्रत्येक प्रश्न का तथ्यों, तकनीक, स्थानीय परिस्थितियों एवं सफल उदाहरणों के साथ समाधान प्रस्तुत किया। इस दौरान केन्द्र के कर्मचारी लोकेश प्रजापत, दीपक कुमार, रामप्रसाद भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गाँवों से आये हुए 25 प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया।

टी.बी. जांच शिविर का जिला कलक्टर ने किया औचक निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम ने प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम पंचायत सुनारी के स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित टी.बी. जांच शिविर का बुधवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने शिविर में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तथा विशेष रूप से पोर्टेबल एक्सरे मशीन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अमित गोयल ने बताया कि पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से संभावित टी.बी. रोगियों की छाती का एक्स-रे कर रोग की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक क्षेत्र में टी.बी. रोगियों की शीघ्र पहचान में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है। इस दौरान शिविर में 170 सम्भावित टी.बी. रोगियों की पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से जांच की गई। शिविर में चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा संभावित टी.बी. रोगियों की स्क्रीनिंग कर एक्स-रे जांच तथा टी.बी. परीक्षण किए गए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में 18 दिसम्बर तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें आधुनिक तकनीक के जरिये संभावित रोगियों की पहचान सुनिश्चित की जा रही है। 11 से 18 दिसम्बर तक यहां लगेंगे टी.बी. जांच शिविर :- उन्होंने बताया कि 11 दिसम्बर को स्वास्थ्य केन्द्र फलोदी, वेदपुर में, 12 दिसम्बर को टोडरा, कालाकुआ में, 13 दिसम्बर को हलोंदा, बोदल, कुशालीपुरा में, 15 दिसम्बर को दुमोदा में, 16 दिसम्बर को कैलाशपुरी, मोजीपुरा, जालपाखेडी में, 17 दिसम्बर को बलवंतखुर्द, रामनगर, खानपुर एवं 18 दिसम्बर को फिरोजपुरा, भाटपुरा, टेटरा में स्वास्थ्य केन्द्रों पर टीबी रोग की पहचान के लिए शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनिल कुमार जैमिनी, सीएचओ, आशा सहयोगिनी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

ग्यारह उर्वरक विक्रेताओं को नोटिस, एक का लाइसेंस निलंबित

-जयपुर की टीम ने उर्वरक विक्रेताओं के यहां की सघन जांच

बारां (रॉयल पत्रिका)। कृषि आयुक्तालय पंत कृषि भवन जयपुर की टीम ने बारां जिले के अधिकारियों के साथ जिले में उर्वरक विक्रेता फर्मों का निरीक्षण किया। जिसमें अनियमितता मिलने पर ग्यारह उर्वरक फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ एक फर्म का लाइसेंस सात दिन के लिए निलंबित किया गया।

जयपुर की टीम में शामिल सहायक निदेशक कृषि (फसल बीमा) जयकुमार यादव, कृषि अधिकारी रमेश चंद्र बाना तथा जिले के उप परियोजना निदेशक (आत्मा) धनराज मीना की संयुक्त टीम ने जिले में उर्वरक विक्रेता फर्मों का सघन निरीक्षण किया। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गत दिनों आयोजित जिला फर्टिलाइजर्स रेगुलेटरी टास्क फोर्स की पंचम बैठक में विशेष निरीक्षण अभियान चलाकर उर्वरक फर्मों का निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। अभियान के तहत अलग-अलग टीमों द्वारा जिले भर में निरीक्षण कर कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान जयपुर टीम द्वारा बारां शहर में मैसर्स सनराइज फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स व भुवन इन्टरप्राईजेज बारां का सघन निरीक्षण कर उर्वरक कय-विक्रय सम्बंधी रिकॉर्ड की जांच की गई। दूसरे दिन समरानियां कस्बे में

मित्तल ट्रेडर्स, रवि फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स, चौधरी एग्रो सेल्स, चौधरी ट्रेडिंग कम्पनी, किसान एग्रो क्लिनिक, विजय कृषि सेवा केन्द्र, नितिन फर्टिलाइजर्स, एन. के. फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स, रितेश मेहता खाद बीज भण्डार जयेश मेहता फर्टिलाइजर्स तथा नाहरगढ़ कस्बे में नागर फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स, कनक फर्टिलाइजर्स गणेश फर्टिलाइजर्स, न्यू महिमा ट्रेडिंग कम्पनी, सुमित कुमार पुनित कुमार एण्ड कम्पनी सहित अन्य विक्रेताओं के उर्वरक विकय रिकॉर्ड की जांच की। निरीक्षण के दौरान पॉस मशीन में प्रदर्शित उर्वरक स्टॉक का स्टॉक रजिस्टर एवं गोदाम में उपलब्ध स्टॉक से मिलान किया गया। निरीक्षण में अधिकाश फर्मों के मूल्य सूची बोर्ड, स्टॉक बोर्ड व स्टॉक संधारण में अनियमितताएं मिली। जिन विकताओं को दिसम्बर माह में यूरिया प्राप्त हुआ उसे किसानों को 5 बैग प्रति कृषक के हिसाब से कृषि पर्यवेक्षक की मौजूदगी में वितरित किया जाना पाया गया। निरीक्षण टीम द्वारा फर्मों की गत 15 दिन की उर्वरक आपूर्ति एवं बिक्री के सारें रिकॉर्ड देखें गए जिनमें गड़बड़ी मिलने पर 11 उर्वरक विक्रेता फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिवस में जवाब मांगा है। जवाब संतोषप्रद नहीं मिलने पर सम्बंधित फर्म का उर्वरक अनुज्ञापत्र निलम्बन अथवा निरस्तीकरण की कार्यवाही अमल में ली जाएगी। साथ ही विक्रेता फर्म रवि फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स, समरानियां द्वारा निरीक्षण टीम को रिकार्ड उपलब्ध नहीं करने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उर्वरक ट्रिपल सुपर फॉस्फेट के 400 बैग के विक्रय पर 10 दिवस की रोक लगाते हुए उर्वरक अनुज्ञापत्र 7 दिवस के लिए निलंबित किया गया।

चित्तौड़गढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने हेतु सभी विभागों का समन्वित प्रयास आवश्यक – जिला कलक्टर

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से सभी विभागीय कार्मिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को पूर्ण समन्वय के साथ सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश जिला कलक्टर आलोक रंजन ने दिए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, दिल्ली द्वारा संचालित 'बाल विवाह मुक्त भारत' के 100 दिवसीय विशेष जनजागरूकता अभियान के तहत बाल अधिकारिता विभाग द्वारा तैयार किए गए बाल विवाह निषेध जागरूकता पोस्टर का विमोचन करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि अभियान को सफल बनाने हेतु प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिला कलक्टर ने महिला अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, बाल अधिकारिता विभाग,

चाइल्ड हेल्पलाइन, उच्च शिक्षण संस्थान तथा स्वयंसेवी संस्थाओं को निर्देशित किया कि वे जनप्रतिनिधियों के सहयोग से गांव-गांव एवं ढाणी-ढाणी तक पहुंचकर आमजन को बाल विवाह के दुष्परिणामों व विधिक प्रावधानों से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि व्यापक जागरूकता ही बाल विवाह के विरुद्ध प्रभावी जनचेतना का मार्ग प्रशस्त करेगी। कलक्टर ने जिले की सभी शिक्षण संस्थाओं में बाल विवाह निषेध पोस्टर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए ताकि प्रत्येक गांव तक बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी पहुंच सके। कार्यक्रम के दौरान कोषाधिकारी दिग्विजय सिंह झाला, सहायक निदेशक ओम प्रकाश तोषनीवाल, अधीक्षक राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह चन्द्र प्रकाश जीनगर, चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक नवीन काकड़दा, काउंसलर करण जीनवाल, शंकर लाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश का 128 वाँ उर्स 18 से 21 दिसम्बर तक

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमन्दिर आसन स्थित हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश रहमतुल्लाह अलैय का 128 वां उर्स पूरे अहतराम के साथ रोशन अली दुर्वेश चौक में 18 से 21 दिसम्बर 2025 तक मनाया जायेगा। जिसमें शहर एवं आस-पास के जायरीन शिरकत करेंगे। कमेटी के सचिव नईम मोहम्मद भाटी ने बताया की उर्स जेरे निगरानी सज्जादा नशीन हजरत पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी की सरपरस्ती में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें । कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद रमजान कुरैशी (भूरजी) ने बताया कि इस चार रोजा उर्स में खिराजे अक़ीदत का कार्यक्रम 19 दिसम्बर को रखा जायेगा। इसके बाद हमेशा की तरह उर्स के पहले दिन झंडे की रस्म के साथ मीलाद शरीफ व तकरीर रखी जायेगी। 19 दिसम्बर चादर शरीफ अखाड़ा मय जुलूस तमाम मौजिज एवं दानिशता लोगो के साथ निकाला जायेगा। इसी दिन बाद नमाजे इशां के दो रोजा सूफी कव्वाली का आयोजन किया जायेगा जिसमें जोधपुर के कव्वाल कव्वाली पेश करेंगे। तथा दूसरे दिन 20 दिसम्बर को दिल्ली के मशहूर कव्वाल चांद अफजल कादरी अपनी सूफीयाना कव्वाली पेश करेंगे। जिसकी तैयारियां चल रही है। 21 दिसम्बर 2025 को बाद नमाजे अस्र कुल की रस्म अदा की जायेगी। साथ ही उर्स के पोस्टर विमोचन का कार्यक्रम भी शीघ्र किया जायेगा।

जिला कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान के पोस्टर का किया विमोचन

सीकर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान के तहत 11 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले सड़क सुरक्षा अभियान के अवसर पर बुधवार को जिला कलेक्टर सीकर मुकुल शर्मा, पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल यादव, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी मथुरा प्रसाद मीणा, जिला परिवहन अधिकारी ताराचंद बनजारा तथा जिला रोलआउट मैनेजर गौरव माथुर द्वारा सड़क सुरक्षा संबंधी पोस्टर का विमोचन किया गया।

पोस्टर को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों के मुख्य द्वारों पर लगाने के निर्देश जिला कलेक्टर द्वारा प्रदान किए गए हैं, ताकि सरकारी कर्मचारियों में सड़क सुरक्षा के प्रति गंभीरता बढ़े और वे आम जनता को भी सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित कर सकें।

जिला स्तरीय एससी-एसटी स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर में 130 प्रतिभागियों ने लिया भाग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर के तत्वावधान में 8 से 12 दिसम्बर तक जिला स्तरीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्काउट वन, आवासन मण्डल सवाई माधोपुर में किया जा रहा है। सीओ गाइड दिव्या ने बताया कि शिविर में जिले के विभिन्न विद्यालयों से 130 एससी-एसटी स्काउट-गाइड शामिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में संचालक मंडल द्वारा स्काउट-गाइड नियम, प्रतिज्ञा, आंदोलन की मूल भावना, व्यायाम, सेवा कार्य तथा अनुशासन सहित विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक

प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) हरकेश लाल मीणा ने स्काउट-गाइड प्रतिभागियों को निःशुल्क स्काउट-गाइड पोशाक वितरित की। शिविर संचालन में हीरालाल रावत, रामचरण पंवार, भुवनेश बाबू शर्मा, रामजीलाल योगी, विष्णु कुमार तथा विजय लक्ष्मी शर्मा सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में सचिव महेश सेजवाल, महावीर प्रसाद जैन, रामजीलाल बेरवा, विजय बहादुर गुर्जर सहित अनेक स्काउट-गाइड सदस्य उपस्थित रहे।

कृतिका कामरा

ने गौरव कपूर संग कन्फर्म किया रिलेशनशिप!

कौन हैं गौरव कपूर?

गौरव कपूर दिल्ली के रहने वाले हैं। उन्होंने माउंट सेंट मैरी स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की और वेंकटेश्वर कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। वह एक क्रिकेट और टीवी प्रेजेंटर ही नहीं, बल्कि टीवी एक्टर भी हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग के मैच से पहले के शो, टी20 मैचों की कवरेज, और अपने पॉपुलर यूट्यूब शो 'ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस' के लिए जाने जाते हैं। गौरव कपूर ने अपने करियर की शुरुआत एफएम रेडियो से की और बाद में चैनल वी पर वीजे बन गए।

लगता है कृतिका कामरा ने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है। वह गौरव कपूर को डेट कर रही हैं। गौरव पहले से शादीशुदा हैं। 2016 में उनकी शादी हो चुकी थी। हालांकि, यह पता नहीं है कि वह और पत्नी अलग हो चुके हैं या नहीं। एक्ट्रेस कृतिका कामरा पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही थीं। उन्होंने एक तस्वीर शेयर कर यह तो हिंट दिया था कि वह रिलेशनशिप में हैं, पर यह नहीं बताया था कि किसे डेट कर रहे हैं। लगता है अब कृतिका ने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है। वह गौरव कपूर को डेट कर रही हैं, जो टीवी प्रेजेंटर हैं। कृतिका ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें गौरव कपूर हैं। इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं, और एक्ट्रेस को बधाई दे रहे हैं। कृतिका कामरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गौरव कपूर संग तस्वीरें शेयर कर लिखा है, 'ब्रेकफास्ट विद..इस पोस्ट पर एक फैन ने कमेंट लिखा, 'बधाइयां।' एक ने लिखा, 'दोनों ही मेरे फेवरेट हैं।' गौरव कपूर ने टीवी पर काम करने के अलावा कुछ फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने साल 2003 में फिल्म 'डरना मना है' से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'श्श', 'शोले' के रीमेक 'राम गोपाल वर्मा की आग', 'अगली और पगली', 'ए वेन्सडे', 'क्विक गन मुरुगन', 'चला मुसद्दी ऑफिस ऑफिस' और 'काय पो छे!' जैसी फिल्मों में नजर आए।

गौरव कपूर की पहले हो चुकी है शादी?

गौरव की निजी जिंदगी की बात करें, तो पहले उनकी शादी एक्ट्रेस और मॉडल किरत भट्टल से हुई थी। दोनों ने 2016 में शादी की थी। हालांकि, रिपोर्ट्स हैं कि शायद वो दोनों अलग हो चुके हैं, और इसीलिए गौरव अब कृतिका के साथ रिलेशनशिप में हैं। कृतिका और गौरव के रिश्ते की अफवाहें सोशल मीडिया पर महीनों से चल रही हैं। दोनों को कई बार मुंबई में साथ देखा गया है। कुछ पपाराजी पेज के मुताबिक, कृतिका और गौरव को बांद्रा के मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाते और दोस्तों के साथ समय बिताते देखा गया है।

'धुरंधर' का धमाकेदार गाना 'शरारत' हुआ रिलीज़, बना नया पार्टी एंथम

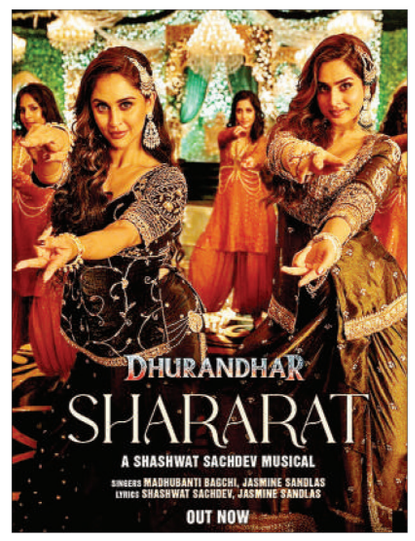

जब धुरंधर को लेकर शानदार समीक्षाएँ और रिकॉर्ड तोड़ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगातार सामने आ रहे हैं, यह एक्शन स्पाई थ्रिलर ज़बरदस्त वर्ड-ऑफ-माउथ के दम पर लगातार नई ऊँचाइयाँ छू रही है। इसी सफलता की लहर को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स जियो स्टूडियोज़, बी62 स्टूडियोज़ और सारेगामा ने एल्बम का पाँचवा म्यूज़िक वीडियो, रंगों और जश्न से भरा धमाकेदार ट्रैक 'शरारत' जारी किया है। शादी के सीज़न में, 'शरारत' एक परफेक्ट फेस्टिव बैंगर बनकर आई है हाई-एनर्जी, रंगीन, और नटखट रोमांस से भरपूर। यह गाना भारतीय शादियों की खुशियों से भरी अफरातफरी को बेहतरीन तरीके से कैद करता है, और तुरंत ही इस सीज़न का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन सॉन्ग बन जाता है। इस गाने की सबसे बड़ी ताकत हैं जेस्मिन सैंडलस और मधुबंती बागची की पॉवरहाउस आवाज़ें, जो मिलकर गीत को एक नए स्तर पर ले जाती हैं। गीतकार जेस्मिन सैंडलस और शशवत सचदेव ने मिलकर ऐसे बोल रचे हैं जो छेड़छाड़ भरे नटखट अंदाज़ और कैची रिद्म का कमाल मिश्रण पेश करते हैं–जिस पर थिरके बिना रहा ही नहीं जाता।कंपोज़र शशवत सचदेव एक बार फिर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करते हैं। 'शरारत' को जोड़कर वे धुरंधर के पहले से ही डायनेमिक और जॉनर-विविध एल्बम को और मज़बूत करते हैं, जो देशभर की प्लेलिस्ट्स में छाया हुआ है। विजय गांगुली द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस म्यूज़िक वीडियो में एक शानदार लाइनअप नज़र आता है आयशा खान, क्रिस्टल डी'सूज़ा, जेस्मिन सैंडलस, मधुबंती बागची, रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल।सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की कैमिस्ट्री और उनकी अनफ़िल्टर्ड मस्ती पहले ही फैंस के बीच नई उत्सुकता जगा चुकी है, जिससे गाने को लेकर और भी बज़ बढ़ गया है। 'शरारत' अब सभी प्रमुख संगीत प्लेटफ़ॉर्म्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है, और पूरा म्यूज़िक वीडियो सारेगामा के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है।

'घेवर' और ठाकुरों से बदला लेने पहुंचीं रानी चटर्जी, सीरियल 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरीः बींदणी' में मारी एंट्री

भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी भले ही फिल्मों में सीधी-साधी बहू के किरदार में नजर आती हैं, लेकिन टीवी सीरियल में उन्हें हमेशा ही निगेटिव किरदार निभाने के लिए दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला है। अब टीवी के एक और सीरियल में अभिनेत्री डाकू बनकर छा गई हैं। वे घेवर और ठाकुरों से अपना पुराना बदला लेने के लिए आई हैं। एक्ट्रेस ने अपने नए किरदार को लेकर वीडियो शेयर की है। रानी चटर्जी की एंट्री सन नियो टीवी चैनल के सीरियल 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरीः बींदणी' में हो गई है। रानी ने सीरियल का नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें वे बीहड़ की डाकू बागी ज्वाला बनकर आई हैं। एक्ट्रेस ने डाकुओं की तरह गहरे रंग के कपड़े पहने हैं, माथे पर लाल पट्टी और हाथ में बंदूक ले रखी है। रानी की एंट्री पालकी में बैठकर होती है, जो महल में घुसते ही ठाकुरों को घुटनों पर ला देती है। घेवर भी बागी ज्वाला के सामने गिड़गिड़ाने लगती हैं। शो के नए प्रोमो को देख फैंस का उत्साह बढ़ चुका है। रानी ने सीरियल का नया प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'बागी ज्वाला रानी आ गई है हवेली में... आखिर क्या चाहती है ठाकुरों से? जानने के लिए देखें 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरीः बींदणी', 12 दिसंबर, शुक्रवार, रात 9:00 बजे। 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरीः बींदणी' अगस्त से शुरू हुआ था। सीरियल में घेवर (गौरी शेलगांवकर) और राजघराने का कुंवर कुंदन (आकाश जग्गा) की कहानी दिखाई गई है।

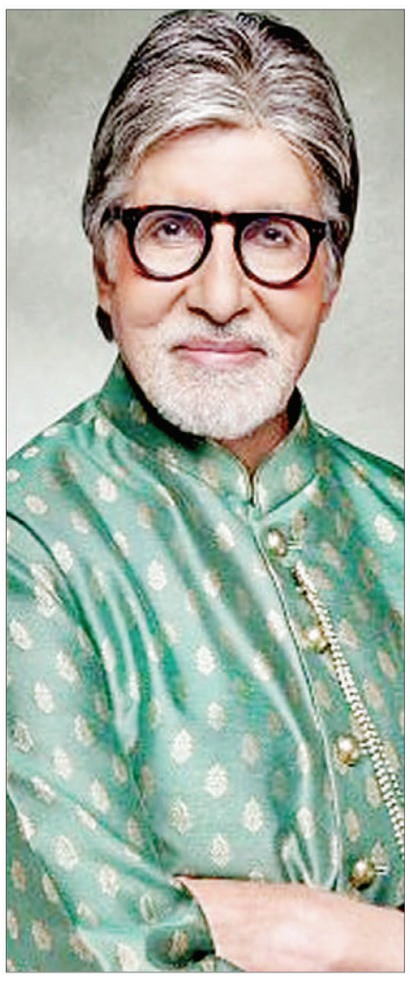

अमिताभ बच्चन ने केबीसी के सेट पर किया भ्रामरी प्राणायाम

योगा इंस्ट्रक्टर ने बताए फायदे

क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का हर एपिसोड दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आता है, लेकिन हाल ही में प्रसारित एपिसोड थोड़ा अलग और खास रहा। शो के होस्ट अमिताभ बच्चन इस बार योग करते हुए नजर आए। एपिसोड में राजस्थान के उदयपुर से आई योगा इंस्ट्रक्टर प्रतिमा सिंह हॉट सीट पर पहुंचीं। प्रतिमा ने अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत करते हुए बताया कि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में मन का संतुलन बनाए रखना कितना जरूरी है। हमारे जीवन में छोटी-छोटी सांस लेने की आदतें भी हमें तनाव से दूर कर सकती हैं और मन को शांत कर सकती हैं। उनकी बातों को अमिताभ बच्चन और दर्शक ध्यान से सुनते दिखाई दिए। बातचीत के दौरान प्रतिमा सिंह ने 'भ्रामरी प्राणायाम' के बारे में बताया, जो मन को तुरंत शांत करने के लिए जानी जाती है। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास को करने के लिए किसी खास तैयारी की जरूरत नहीं होती। बस आराम से बैठकर, आंखें बंद कर, गहरी सांस लेकर और सांस छोड़ते समय मधुमक्खी की तरह हल्की सी आवाज निकालनी होती है। यह तरीका बेहद सरल है, लेकिन इसके फायदे काफी हैं। प्रतिमा ने स्टूडियो में ही अमिताभ बच्चन और दर्शकों को इस तकनीक का अभ्यास करवाया। जैसे ही अमिताभ बच्चन ने आंखें बंद कर योग की मुद्रा अपनाई, पूरा सेट शांत हो गया और शो का माहौल एकदम बदल गया।

ऑस्ट्रेलिया में चमकी तन्वी द ग्रेट, अनुपम खेर की फिल्म ने जीता बड़ा अवॉर्ड

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर पिछले चार दशकों से अपनी शानदार और बहुमुखी अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते रहे हैं। 2025 उनके करियर का एक खास साल साबित हो रहा है। उनकी फिल्म 'तन्वीः द ग्रेट' को देश और विदेश दोनों ही जगहों पर भरपूर सराहना मिल रही है। अब इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। फिल्म को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया में सम्मानित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में 'तन्वीः द ग्रेट' को बेस्ट स्क्रीनप्ले के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इससे पहले फिल्म की लीड एक्ट्रेस शुभांगी दत्त को बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। विदेशों में भी फिल्म को मिल रही इस सफलता ने टीम की खुशी को कई गुना बढ़ा दिया है।

कुणाल खेमू ने 'सिंगल पापा' के टाइटल ट्रैक को दी अपनी आवाज

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू की वेब सीरीज सिंगल पापा का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है। कुणाल खेमू ने नेटफ्लिक्स की वेबसीरीज सिंगल पापा के दिल छू लेने वाले टाइटल ट्रैक को अपनी आवाज़ दी है। टाइटल ट्रैक, टी-सीरीज़ और भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह ट्रैक कुणाल खेमू, राघव मिटल और खूबाब एल द्वारा गाया, लिखा और कंपोज़ किया गया है। सीरीज का निर्माण और सह-निर्माण इशिता मोइत्रा और नीरज उद्वाणी ने किया है, शशांक खेतान कार्यकारी निर्माता हैं, और निर्देशन हितेश केवाल्या तथा नीरज उद्वाणी द्वारा किया गया है।

संदीप सोपारकर का गुल्लीगा गुल्लीगा सॉन्ग बना चर्चा का विषय

हाई-वोल्टेज परफॉर्मेंस

नृत्य की दुनिया के मशहूर कोरियोग्राफर और कलाकार संदीप सोपारकर के हाई-वोल्टेज परफॉर्मेंस वाला नया गाना 'गुल्लीगा गुल्लीगा' इन दिनों दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। जी म्यूजिक द्वारा ऑडियो राइट्स हासिल किए जाने के बाद रिलीज़ हुआ यह दमदार गाना, भयंकर तटीय देवता गुलीगा की शक्ति और रहस्य को समर्पित है, जिनकी किंवदंती ने देशव्यापी ध्यान आकर्षित किया है। गीत के विजुअल स्पेक्टेकल के केंद्र में सोपारकर हैं, जिन्होंने न केवल अपने सहायक आशुतोष आर्य के साथ पूरी सीक्वेंस को कोरियोग्राफ किया है, बल्कि स्वयं तीव्र और आध्यात्मिक रूप से आवेशित गुलीगा नृत्य का प्रदर्शन भी किया है। उनकी प्रस्तुति अपनी अदम्य शक्ति, नियंत्रित आक्रामकता और देवता के आभा को साकार करने वाली समाधि जैसी ऊर्जा के कारण सबसे अलग है। लेखक-निर्देशक सुधीर अट्टावर द्वारा लिखे गए इस रैप-शैली के ट्रैक में क्षेत्रीय लोककथाओं को समकालीन संगीत से खूबसूरती से जोड़ा गया है। इस गीत को गोपी सुंदर ने कंपोज किया है, जबकि जावेद अली और अट्टावर ने खुद अपनी प्रभावशाली आवाज दी है।सुंदर ने भी अतिरिक्त स्वर अनुभागों का योगदान देकर इस एंथम की संगीत परत को समृद्ध किया है। अपने अनुभव को साझा करते हुए, संदीप सोपारकर ने कहा, 'फिल्म कोरगज्जा में गुलीगा दैव का किरदार निभाना मेरे लिए एक भूमिका से कम, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी जैसा था। इसने मुझे अपने आप से कहीं अधिक बड़ी एक दिव्य ऊर्जा के सामने समर्पण करने का अवसर दिया। मैं अपने निर्देशक सुधीर अट्टावर और निर्माता त्रिविक्रम सपल्या का आभारी हूं, क्योंकि उन्होंने मुझे हमारी लोक परंपराओं की जीवित आत्मा से जोड़ा। मैं इस शक्तिशाली भावना-रूप को पर्दे पर लाने के लिए धन्य और सम्मानित महसूस करता हूँ। 'गाने में अभिनेता सरदार सत्या ने पंजुर्ली की भूमिका निभाई है, जबकि कबीर बेदी और अभिनेत्री भाव्या ने भी महत्वपूर्ण कथा क्षणों में अपनी उपस्थिति से गहराई जोड़ी है, जहां गुलीगा और पंजुर्ली, कोरगज्जा से मिलने आते हैं। इस गाने की शूटिंग एक महत्वाकांक्षी उपक्रम थी। मंगलुरु के सोमेश्वर बीच पर फिल्माए गए इस सीक्वेंस को भव्यता के साथ कैप्चर करने के लिए दो 100 फुट ऊँची क्रेनों और पाँच कैमरों का उपयोग किया गया।

नीलम कोठारी खाना खाने के बाद फ्लाइट में बेहोश हुईं

बोलीं- एयरवेज की बड़ी लापरवाही, किसी क्रू मेंबर ने मदद नहीं की

एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने हाल ही में टोरंटो से मुंबई की फ्लाइट में अपने साथ हुई एक परेशान करने वाली घटना शेयर की। नीलम ने दावा किया कि खाना खाने के कुछ देर बाद वे बेहोश हो गईं, लेकिन फ्लाइट क्रू ने उनकी कोई मदद नहीं की।नीलम ने सोशल मीडिया पर लिखा, एतिहाद एयरवेज, मैं अपनी हाल ही की टोरंटो से मुंबई की फ्लाइट में मेरे साथ हुए व्यवहार से बहुत निराश हूं। मेरी फ्लाइट 9 घंटे से ज्यादा लेट थी और फ्लाइट के दौरान खाना खाने के बाद मैं बहुत बीमार पड़ गई और बेहोश हो गई। नीलम ने पोस्ट में आगे लिखा, 'एक यात्री ने मुझे सीट तक वापस बैठने में मदद की, लेकिन आपके क्रू मेंबर ने एक बार भी हालचाल नहीं पूछा और न कोई मदद की। मैंने आपकी कस्टमर सर्विस से भी संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। इस तरह की लापरवाही बिल्कुल अस्वीकार्य है। कृपया इस मामले को जल्दी से देखें और कार्रवाई करें। ' जब एक यूजर ने नीलम को ही जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर ऐसा तुम्हारे या तुम्हारे अपने के साथ होता, तो तुम ऐसा नहीं कहते। '

(साभार एजेंसी)

शतरंज ग्रैंड स्लैमः

पहले दिन छा गए सिंदारोव और अर्जुन दोनों नें कार्लसन को दी मात

कैपटाउन, एजेंसी। अफ्रीका महाद्वीप में पहली बार विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम का मुकाबला खेला जा रहा है और पहले दिन तय कार्यक्रम के अनुसार राउंड रॉबिन आधार पर खेले गए रैपिड मुकाबलों के सात चरण के बाद अभी अभी गोवा में विश्व कप जीतने वाले जावोखीर सिंदारोव और भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी नें लाजबाब प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 3 में अपनी जगह बना ली है ।

पहले स्थान पर रहे सिंदारोव : विश्व कप 2025 गोवा के विजेता 19 वर्षीय सिंदारोव जावोखीर का कॉन्फ़िडेंस देखने लायक था और उन्होंने पहले ही राउंड में कार्लसन को मात देते अपना अभियान आरम्भ किया उन्होंने सिर्फ़ भारत के अर्जुन एरिगैसी , जर्मनी के विंस्नेट केमर और यूएसए के लेवान अरोनियन से ड्रा खेला और बाक़ी तीन बाज़ियों में जीत दर्ज की । सिंदारोव नें 5.5 अंक बनाकर पहला और लेवान अरोनियन नें 5 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया

वहीं अभी अभी येरुशलम मास्टर्स जीतने वाले अर्जुन नें शुरुआत तो अच्छी नहीं की और यूएसए के नीमन हंस से ड्रा , लेवान अरोनियन से हार और सिंदरोव से ड्रा के बाद वह तीन राउंड के बाद एक अंक पर थे पर उसके बाद उन्होंने लगातार तीन बाज़ियों में विंस्नेट केमर , मैग्नस कार्लसन और ईरान के परहम मघसदूलू को पराजित करते हुए बेहतरीन वापसी की और अंतिम राउंड कारूआना से ड्रा खेलते हुए दिन का अंत 4.5 अंक बनकर तीसरे स्थान पर किया ।

आईसीसी वनडे रैंकिंग : रोहित शर्मा शीर्ष पर कायम, विराट कोहली नंबर 2 पर पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने वनडे फॉर्मेट की नई रैंकिंग जारी कर दी है। बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में रोहित शर्मा शीर्ष पर कायम हैं, तो विराट कोहली दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के दौरान आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था। वह नंबर वन की कुर्सी पर मजबूती से जमे हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में 57, 14, और 75 की पारी ने रोहित का नंबर वन रैंक पर कब्जा बरकरार रखा है। विराट कोहली ने ताजा रैंकिंग में 2 स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरी रैंक हासिल की है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में 135, 102, और 65 रन की पारी खेली। इन तीन पारियों की मदद से वे न सिर्फ सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने बल्कि आईसीसी की वनडे रैंकिंग में भी लंबे समय बाद दूसरे स्थान पर पहुंचे। बता दें कि रोहित और विराट सिर्फ

वनडे फॉर्मेट ही खेलते हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है।

दोनों क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज हैं। भारतीय टीम के वनडे फॉर्मेट के कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे, आयरलैंड के हैरी टैक्टर सातवें, वेस्टइंडीज के शाई होप आठवें, श्रीलंका के चरिथ असलांका नौवें और भारत के श्रेयस अय्यर दसवें स्थान पर हैं। श्रेयस अय्यर को एक स्थान का नुकसान हुआ है।

टीपीएल 2025:

एग्जीबिशन मैच के लिए कोर्ट पर उतरे सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना

अहमदाबाद, एजेंसी। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) 2025 की शुरुआत एक ऐतिहासिक इवेंट के साथ शुरू हुई। गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स की ब्रांड एंबेसडर सानिया मिर्जा और एसजी पाइपर्स के मार्की खिलाड़ी रोहन बोपन्ना गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम में एक खास एग्जीबिशन मैच के लिए कोर्ट पर फिर से मिले। इस मिक्स्ड डबल्स मुकाबले में सानिया मिर्जा ने गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के डैन इवांस के साथ जोड़ी बनाई और एसजी पाइपर्स के रोहन बोपन्ना और श्रीवल्ली भामिदिपति की जोड़ी को 10-6 से मात दी। अहमदाबाद में फैंस ने इन दिग्गजों का गर्मजोशी से स्वागत किया। पूर्व टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा ने कहा, 'अहमदाबाद, स्वागत के लिए धन्यवाद। मैं और रोहन ऐसे समय से हैं जब टेनिस देखने वाला मुश्किल से ही कोई होता था, इसलिए स्टेडियम में लोगों का भरा होना सच में बहुत खुशी की बात है। टेनिस और टीपीएल का यहां स्वागत करने के लिए धन्यवाद। टीपीएल ठीक यही करता है, यह खेल को आगे बढ़ाता है। यह युवा एथलीटों को इंटरनेशनल खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने का मौका देता है। हमने आज बेहतरीन टेनिस देखा, और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में आप बाहर आकर घरेलू एथलीट्स और भारत के बाहर से आए एथलीट्स का हौसला बढ़ाएंगे। सानिया मिर्जा ने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात है कि अहमदाबाद इस देश की खेल राजधानी बनता जा रहा है। हम इस बात से बहुत खुश हैं। मैं आखिरी बार अहमदाबाद तब आई थी जब 10 साल की थी। जाहिर है, मैंने बहुत बदलाव देखा है। मुझे याद है, मैंने एक अंडर-14 या अंडर-16 नेशनल टूर्नामेंट में खेला था। मुझे यह भी याद है कि उस समय बहुत गर्मी होती थी, और हम शाम या रात में मैच खेलते थे। इसलिए, ऐसी जगह पर आना खुशी की बात है जहां स्पोर्ट को पसंद किया जाता है। '

उन्होंने अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी को लेकर कहा, 'अहमदाबाद न सिर्फ क्रिकेट या टेनिस, बल्कि सभी तरह के खेल को बढ़ावा देने की कोशिश में अपना योगदान दे रहा है। यहां भविष्य में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन भी होना है, जिसमें एथलीट्स को बेहतरीन मौका मिलेगा। बोपन्ना ने इन बातों को दोहराते हुए कि टीपीएएल युवा खिलाड़ियों के लिए जरूरी मौके बनाता रहता है। बोपन्ना ने कहा, 'इस तरह के इवेंट में हिस्सा लेकर इन सभी खिलाड़ियों को जबरदस्त अनुभव मिलता है। सानिया और मैं हमेशा से युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने में मदद करना चाहते थे। वह न केवल टेनिस में बल्कि पूरे खेल में एक शानदार रोल मॉडल रही हैं। यह कमाल की बात है कि टेनिस अहमदाबाद जैसे नए शहर में आया है और हम यहां आकर खुश हैं। '

विजय शंकर आईपीएल 2026 की नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में क्यों हिस्सा लेंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए मिनी-नीलामी 16 दिसंबर को अबुधाबी में होनी है। बीसीसीआई ने नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। बोर्ड की सूची के मुताबिक ऑलराउंडर विजय शंकर मिनी नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेंगे। आप सोच रहे होंगे कि भारतीय टीम के लिए खेल चुके विजय शंकर अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में कैसे हिस्सा लेंगे। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नियम के मुताबिक अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने टीम इंडिया के लिए पिछले पांच साल में किसी भी फॉर्मेट में एक भी मैच नहीं खेला है, तो उसे अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाएगा और वह नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेगा।

इसी नियम के तहत विजय शंकर नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे। भारतीय टीम के लिए 12 वनडे और 9 टी20 खेल चुके विजय शंकर ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 27 जून 2019 को खेला था। यह मैच पांच साल पहले खेला गया था। ऐसे में बीसीसीआई का अनकैप्ड वाला नियम विजय शंकर पर लागू होता है। विजय शंकर पिछले सीजन सीएसके का हिस्सा थे। चेन्नई ने उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में 1.2 करोड़ रुपये में साइन किया था। विजय का प्रदर्शन साधारण रहा था। पांच पारियों में वह केवल 118 रन बना पाए। सीएसके मिनी नीलामी में नई टीम बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से सीएसके ने विजय को रिटेन नहीं किया। देखना होगा कि नीलामी में यह ऑलराउंडर किस टीम के साथ जुड़ता है। इसी नियम के तहत पिछले सीजन सीएसके ने एमएस धोनी को भी रिटेन किया था। 2014 से आईपीएल खेल रहे विजय शंकर अब तक 78 मैचों में 7 अर्धशतक की मदद से 1,233 रन बना चुके हैं। उनका शीर्ष स्कोर नाबाद 69 रहा है। 2023 उनका श्रेष्ठ सीजन रहा था। गुजरात टाइटंस का हिस्सा रहते हुए 14 मैचों में उन्होंने 301 रन बनाए थे। विजय 9 विकेट भी ले चुके हैं।

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका टी-20

अभिषेक शर्मा-शुभमन गिल ओपनर, संजू सैमसन बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला अब 11 दिसंबर गुरुवार को न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर में खेला जाएगा। पहले मैच में भारतीय टीम ने शुरू में लड़खड़ाने के बाद 101 रन से शानदार जीत दर्ज कर ली। सीरीज में टीम इंडिया 1-0 की बढ़त बना चुकी है। ऐसे में दूसरे मुकाबले में प्लेइंग 11 में कुछ खास बदलाव नजर नहीं आ रहे हैं।

पहले टी20 में भारतीय टीम की पारी शुरु में बिखरती दिख रही थी। 11.4 ओवर में 78 रन पर चार विकेट थे। स्कोर भी धीमा था और विकेट भी ज्यादा थे। उसके बाद हार्दिक पंड्या की 28 गेंद पर 59 रन की पारी ने मैच की तस्वीर बदल दी। भारत ने 176 रन का अफ्रीका को लक्ष्य दिया और मेहमान टीम 74 रन पर ही ढेर हो गई।

अब जितेश शर्मा के बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरने के बाद बतौर विकेटकीपर भी सैमसन की जगह प्लेइंग 11 में नहीं बन पा रही है। दूसरे टी20 में भी कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने विनिंग कॉम्बिनेशन को शायद छेड़ना नहीं चाहेंगे। यानी इस मैच में भी संजू सैमसन का खेलना मुश्किल लग रहा है। वहीं ओपनिंग एक बार फिर से अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल करते हुए नजर आएंगे। बाकी नंबर 3, 4, 5,6 में खास बदलाव संभव नहीं लग रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया न्यू चंडीगढ़ में बिना किसी बदलाव के उतर सकती है।

संजू सैमसन रहेंगे बाहर?

हालांकि जीत के बावजूद पहले टी20 मैच में शुभमन गिल एक बार फिर से फ्लाप रहे थे और सवाल यही उठ रहा था कि बार-बार उनके कारण संजू सैमसन को क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है।क्योंकि, संजू सैमसन का बतौर ओपनर टी20 इंटरनेशनल में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है।

चैंपियंस लीग : बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड ने अपने मैच जीते

बार्सिलोना, एजेंसी। बार्सिलोना ने जूल्स कोंडे के हेडर से लगाए दो गोल की मदद से आइंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग में अहम जीत हासिल की। जीत के साथ बार्सिलोना 36 टीमों के लीग फेज में 13वें नंबर पर आ गया है। शीर्ष 8 में जगह बनाने के लिए बार्सिलोना को दो और मैचों में जीत हासिल करनी होगी। एटलेटिको मैड्रिड ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पीएसवी के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की। गुस टिल ने 10वें मिनट में मैच का पहला गोल किया।

अलेक्जेंडर सोरलोथ ने 37वें मिनट में जूलियन अल्वारेज को बराबरी का गोल करने का मौका दिया। इससे पहले डेविड हैंको ने 52वें मिनट में मातेज कोवर के नाहुएल मोलिना के लॉन्ग-रेंज शॉट को बाहर धकेलने के बाद रिबाउंड पर गोल किया, और सोरलोथ ने चार मिनट बाद तीसरा गोल किया। रिकार्डो पेपी ने 85वें मिनट में दूर के पोस्ट पर गोल किया और आखिरी मिनटों में अरमांडो ओबिस्पो ने पास से एक सुनहरा मौका गंवा दिया.

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिपः

31 दिसंबर से हो रहा आगाज, पुरुष और महिला मुक्केबाज ठोकेंगे ताल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पहली बार शीर्ष पुरुष और महिला मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ होने जा रहा है। दोनों वर्गों के लिए 'राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप' का आयोजन ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में 31 दिसंबर, 2025 से 6 जनवरी, 2026 तक होगा। सर्विसेज डिफेंडिंग की एंट्री पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन के तौर पर कर रही है, जबकि रेलवे का लक्ष्य महिला टीम चैंपियनशिप का टाइटल बनाए रखना है।

आधिकारिक ड्रा 30 दिसंबर को होगा। इसके बाद भारत के अगले हाई-परफॉर्मेंस साइकिल की शुरुआत होगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एक रिलीज में कहा, 'देश भर की इकाइयां पुरुषों और महिलाओं के लिए दस-दस वेट वर्ग में मुकाबला करेंगी, जो विश्व मुक्केबाजी तकनीक और प्रतियोगिता के नियमों का पूरी तरह से पालन करेंगी।

हर इकाई को हर वर्ग में एक मुक्केबाज उतारने की इजाजत है। कोई रिजर्व नहीं रखा जा सकता। सभी मैच अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट के हिसाब से होंगे, जिसमें तीन-तीन मिनट के तीन राउंड होंगे। एक मिनट का रेस्ट पीरियड और 10-अंक का जरूरी स्कोरिंग सिस्टम होगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने इस मौके पर कहा, 'मजबूत सिस्टम लंबे समय की सफलता की रीढ़ होते हैं, और नेशनल चैंपियनशिप वह जगह है जहां यह सिस्टम असल में शुरू होता है। यह स्टेज मौके बनाता है, प्रतिभा को सामने लाता है, और हर मुक्केबाज को राष्ट्रीय कैंप में जाने का सही रास्ता देता है।

उन्होंने कहा कि विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में हमें हाल में मिली सफलता ने साबित कर दिया कि यह कितना पावरफुल हो सकता है। जैसे-जैसे हम आगे की चुनौतियों की तैयारी कर रहे हैं, ये चैंपियनशिप उन एथलीट्स को पहचानने और तैयार करने में बहुत जरूरी होंगी। इससे हमारी पदक की उम्मीदें बढ़ेंगी।

जूनियर महिला वर्ल्ड कपः आखिरी सेकंड में बराबरी, फिर शूटआउट में भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो (चिली), एजेंसी। भारत ने आखिरी सेकंड में बराबरी करने के बाद उरुग्वे को स्रद्ध॥ हॉकी जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 के 9/12 क्लासिफिकेशन मैच में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 3-1 से हराया।

भारत के लिए मनीषा ने (19वें) ने भारत के लिए गोल किया जिसके बाद जस्टिना अर्रेगुई ने (60वें) मिनट सिर्फ दो सेकंड बाकी रहते पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जिससे सेंट्रो डेपोटिर्वो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में मैच शूटआउट में चला गया। भारत ने मैच की शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जल्दी दबाव बनाया और कई बार सकर्ल में एंट्री की। हालांकि, उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे उसे भुना नहीं पाये। भारत ने 18वें मिनट में एक अच्छे पेनल्टी-कॉर्नर वेरिएशन के साथ जवाब दिया, लेकिन साक्षी राणा का शॉट ब्लॉक हो गया। अगले ही मिनट में मनीषा ने दूर से एक जोरदार गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारतीयों ने 11 सकर्ल पेनिट्रेशन किए, जबकि उरुग्वे ने डिफेंसिव शेल में गहरी पकड़ बना ली थी। ब्रेक के बाद भी यही पैटर्न जारी रहा भारत ने हाई लाइन बनाए रखी और उरुग्वे को पीछे धकेल दिया.

पहला टी20:

जसप्रीत बुमराह ने 'शतक' के साथ रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कटक में खेले पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 101 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की। इस जीत में 3 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लेते हुए जसप्रीत बुमराह ने भी अहम योगदान दिया। इस पारी में दो विकेट लेकर बुमराह ने अपने 100 टी20 इंटरनेशनल विकेट भी पूरे कर लिए। इतना ही नहीं वह तीनों फॉर्मेट में विकेटों का शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी बने। जसप्रीत बुमराह ने वो कारनामा किया है जो इससे पहले कोई भी भारतीय गेंदबाज अपने करियर में नहीं कर पाए। टी20 इंटरनेशनल में वह अर्शदीप सिंह (107) के बाद अब 100 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बन गए हैं। जस्सी के नाम अभी तक टेस्ट में भी 234 और वनडे क्रिकेट में 149 विकेट दर्ज हैं। यानी तीनों फॉर्मेट में वह 100 विकेटों का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

वापसी के साथ पंड्या का तूफान

कटक, एजेंसी। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बाराबती स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को 101 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए। भारतीय टीम 17 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी।

यहां से अभिषेक शर्मा ने तिलक वर्मा के साथ टीम को संभाला। अभिषेक ने 17 रन, जबकि तिलक वर्मा ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। हार्दिक पंड्या छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे।

उन्होंने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। इनके अलावा, अक्षर पटेल ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। पंड्या श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप 2025 के दौरान चोटिल हुए थे, जिसके बाद वह इस मुकाबले में पहली बार टीम इंडिया की ओर से खेलते नजर आए। विपक्षी टीम की तरफ से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि लुथो सिपामला ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, डोनोवन फेरीरा ने 1 विकेट अपने नाम किया।

लोकसभा में अमित शाह का गुस्सा:

-विपक्ष पर तीखी फटकार, बोले- चुनाव जीतने पर 'कौ-कौ' करता है

नई दिल्ली । लोकसभा में बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधार और वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) पर संबोधन दिया। इस दौरान उनका भाषण विपक्ष के सांसदों के हंगामे और सवालों के बीच आया। भाषण के दौरान उन्होंने विपक्ष को जमकर फटकार लगाई और अपने गुस्से का इजहार करते हुए कुछ आपत्तिजनक शब्द भी कह दिए, जिसे लेकर सदन में हलचल मच गई। शाह ने कहा कि 2014 के आम चुनाव के बाद से भाजपा लगातार जीत रही है और हर बार विपक्ष उनकी जीत पर 'कौ-कौ-कौ' करता है। उन्होंने अपने शब्दों में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि चुनाव में हार के बाद विपक्षी दल निरंतर गुमराह करने और आलोचना करने में जुट जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि संसद में अनुचित भाषा और व्यवधान हो। विपक्ष जब हंगामा कर रहा था, उस समय शाह गुस्से में दिखाई दिए। उन्होंने संसद में विपक्ष की ओर उंगली दिखाते हुए कहा, "मेरे बोलने का क्रम मैं तय करूंगा। मैं 30 साल से जनप्रतिनिधि हूं, आपकी मुंसिफगिरी संसद में नहीं चलेगी। अगर किसी को मेरे संबोधन में आपत्तिजनक शब्द लगे, तो यह गलती से निकल गया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोई मुझे बोलने से रोक सकता है।" इस दौरान गृहमंत्री ने विशेष रूप से विपक्ष के नेताओं की कार्यशैली पर टिप्पणी की और कहा कि संसद में वे केवल रोड़े अटकाने और समय गंवाने का काम करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव सुधार और SIR जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करना आवश्यक है, लेकिन विपक्षी दल इसे राजनीति और हंगामे का बहाना बनाते हैं।

शाह ने विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि लोकतंत्र में बहस और विचार-विमर्श की जगह है, लेकिन अनुशासन और शालीनता की सीमा का उल्लंघन कतई नहीं होना चाहिए। संसद के भीतर हुए इस घटनाक्रम पर राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह स्थिति देश की राजनीतिक बहस की गहराई और विपक्ष के रवैये को दिखाती है। शाह के गुस्से में बोले गए शब्दों को लेकर विपक्ष ने आपत्ति जताई, वहीं भाजपा के नेता इसे सामान्य घटना बताकर पारंपरिक आलोचना कर रहे विपक्ष के व्यवहार का परिणाम मान रहे हैं। शाह के संबोधन में यह बात भी सामने आई कि गृहमंत्री चुनाव सुधार के मुद्दे पर अपनी स्पष्ट राय रखते हैं और वोटर लिस्ट की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने की बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में जीत-हार आम बात है, लेकिन हारने के बाद विपक्ष का व्यवहार यह तय करता है कि लोकतंत्र की परंपराओं और संस्थाओं के प्रति उनका दृष्टिकोण क्या है। इस पूरे घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट हुआ कि संसद में कभी-कभी भावनात्मक भाषण और गुस्से के कारण अनुचित शब्द निकल सकते हैं।

हनुमानगढ़ में एथेनॉल फैक्ट्री पर किसान बवाल:

-दीवार तोड़ी, ऑफिस फूंका, 14 गाड़ियां जलाईं; इंटरनेट बंद, MLA घायल

हनुमानगढ़ । राजस्थान के हनुमानगढ़ ज़िले में एथेनॉल फैक्ट्री के निर्माण को लेकर किसानों और प्रशासन के बीच टकराव ने बुधवार को हिंसक रूप ले लिया। हालात इतने बिगड़ गए कि टिब्बी क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद करनी पड़ीं, स्कूल–कॉलेजों में छुट्टी करवाई गई और फैक्ट्री के आसपास रहने वाले लगभग 30 परिवार डर के माहौल में अपना घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां चले गए। गुरुवार सुबह भी तनाव भरा माहौल बरकरार है। कांग्रेस नेताओं और किसानों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन रुकेगा नहीं। गुरुवार की सुबह से ही किसान बड़ी तादाद में टिब्बी के पास स्थित गुरुद्वारे में जुटने लगे हैं, जहां से नई रणनीति बनाए जाने की उम्मीद है।

हिंसा का मंगलवार: दीवार तोड़ी, ऑफिस फूंका, गाड़ियां जलाईं-

बुधवार (10 दिसंबर) का दिन हनुमानगढ़ के इतिहास में तनाव और उथल–पुथल से भरा रहा। राठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री की चारदीवारी किसानों ने ट्रैक्टरों की मदद से तोड़ दी। सैकड़ों की भीड़ फैक्ट्री परिसर में घुस गई। अंदर मौजूद ऑफिस और रिकॉर्ड्स को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। पूरा इलाका कुछ ही मिनटों में धुएं और भगदड़ से भर गया। पुलिस ने हालात काबू में करने की कोशिश की, लेकिन पत्थरबाज़ी शुरू हो गई। पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागकर भीड़ को तितर–बितर करने का प्रयास किया। इससे किसानों का गुस्सा और भड़क गया। नाराज़ भीड़ ने 14 गाड़ियों में आग लगा दी, जिनमें पुलिस की गाड़ियां भी शामिल थीं। इस झड़प में 50 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें किसान, पुलिसकर्मी और आम लोग शामिल हैं। कांग्रेस विधायक अभिमन्यु पूनिया को सिर पर चोट लगी, जिन्हें बाद में जिला अस्पताल ले जाया गया।

क्यों भड़का किसानों का गुस्सा?-

किसानों का विरोध कोई नया नहीं है। यह मुद्दा लगभग डेढ़ साल से simmer हो रहा था, लेकिन हाल के हफ्तों में हालात अचानक बिगड़ गए।

40 मेगावाट का एथेनॉल प्लांट: चंडीगढ़ में रजिस्टर्ड ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड राठीखेड़ा में 40 मेगावाट का अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट लगा रही है। कंपनी का कहना है कि यह प्लांट ईथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (EBP) प्रोग्राम को सपोर्ट करेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार भी पैदा करेगा। मगर ग्रामीणों का आरोप है कि—

प्लांट से भूजल दूषित होगा: जमीन का इस्तेमाल "अनुचित तरीके" से हुआ, प्लांट से आने–जाने वाले भारी वाहन गाँव की सड़कों और खेतों को नुकसान पहुँचाएंगे

10 महीने तक शांतिपूर्ण विरोध-

सितंबर 2024 से जून 2025 तक किसानों ने शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन किया। कई बार वार्ताएँ भी हुईं, लेकिन किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया। जुलाई 2025 में कंपनी ने चारदीवारी का काम शुरू किया, जिसे किसानों ने "वादा खिलाफी" बताया। यहीं से विरोध तेज होने लगा।

नवंबर में पुलिस सुरक्षा में काम शुरू: 19 नवंबर 2025 को प्रशासन ने पुलिस सुरक्षा के साथ फैक्ट्री में निर्माण कार्य फिर से शुरू करवाया। इस कदम से किसान नाराज़ हो गए। फिर किसान नेता महंगा सिंह सहित 12 लोगों की गिरफ्तारी ने माहौल और विस्फोटक कर दिया। 20–21 नवंबर को 67 किसानों ने सामूहिक गिरफ्तारी दी, जिसने आंदोलन का नया मोड़ तय किया।

10 दिसंबर को हालात बेकाबू क्यों हुए?-

बुधवार को टिब्बी एसडीएम ऑफिस के बाहर किसानों की बड़ी सभा हुई। भीड़ को लगा कि प्रशासन उनकी बात नहीं सुन रहा, न किसी समाधान की कोशिश कर रहा है। सभा के बाद अचानक सैकड़ों किसान ट्रैक्टरों के साथ फैक्ट्री साइट की ओर बढ़ गए। भीड़ ने दीवार तोड़ दी। पुलिस ने पहले रोकने की कोशिश की, फिर लाठीचार्ज किया। किसानों ने इसे "दमन" बताया और हिंसा बढ़ती गई। गुरुवार सुबह भी टिब्बी और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है। इंटरनेट अभी भी बंद है ताकि अफवाहें न फैलें। लोग अपने घरों से निकलने में डर रहे हैं। कई परिवार तो रातों–रात गाँव छोड़कर रिश्तेदारों के यहाँ चले गए।

फ्लाइट में 15 मिनट की देरी भी जांच के दायरे में:

-DGCA ने तकनीकी निगरानी सिस्टम किया सख्त

नई दिल्ली । देश के विमानन क्षेत्र में लगातार बढ़ रही तकनीकी दिक्कतों, उड़ानों में देरी और हालिया सुरक्षा घटनाओं ने अब नियामक संस्था DGCA (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) को कड़े कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया है। पहली बार डिफेक्ट रिपोर्टिंग और तकनीकी निगरानी से जुड़ा पूरा ढांचा बदल दिया गया है। नए नियम तुरंत प्रभाव से लागू हो गए हैं और एयरलाइंस को इनके अनुसार काम करना अनिवार्य होगा।

15 मिनट की देरी भी जांच के दायरे में-

DGCA के 12 पेज के नए आदेश के मुताबिक, किसी भी निर्धारित उड़ान में यदि तकनीकी कारणों से 15 मिनट या उससे अधिक की देरी होती है, तो उसकी जांच अब अनिवार्य रूप से की जाएगी। एयरलाइंस को यह बताना होगा कि— देरी किस वजह से हुई? तकनीकी समस्या कहाँ थी? उसे कैसे ठीक किया गया? और भविष्य में इसे दोबारा होने से रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए? पहले इस तरह की व्यवस्था मौजूद नहीं थी। अक्सर छोटी तकनीकी गड़बड़ियां नोट तो की जाती थीं, लेकिन उन पर गहन जांच जरूरी नहीं होती थी। अब यह देरी भी सुरक्षा मानकों का हिस्सा मानी जाएगी।

मेजर डिफेक्ट की तत्काल जानकारी देना अनिवार्य-

नए नियमों के अनुसार एयरलाइंस को किसी भी मेजर डिफेक्ट की जानकारी तुरंत DGCA को फोन पर देनी होगी। इसके बाद 72 घंटे के भीतर विस्तृत रिपोर्ट भेजना अनिवार्य होगा। मेजर डिफेक्ट ऐसे तकनीकी मुद्दे होते हैं, जो उड़ान सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं।

तीन बार दोहराने पर 'रिपीटेटिव डिफेक्ट' माने जाएंगे-

अब DGCA ने रिपीट डिफेक्ट की परिभाषा भी साफ कर दी है। यदि कोई तकनीकी समस्या तीन बार दोहराई जाती है, तो उसे रिपीटेटिव डिफेक्ट माना जाएगा। ऐसे मामलों में अलग से स्पेशल इन्वेस्टिगेशन शुरू होगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि एयरलाइंस सिर्फ तात्कालिक मरम्मत करके उड़ान न भराती रहें, बल्कि मूल कारण को खोजकर स्थायी समाधान करें।

क्यों जरूरी हुई यह सख्ती?-

लंबे समय से DGCA को यह शिकायतें मिल रही थीं कि कई एयरलाइंस तकनीकी रिपोर्टिंग में लापरवाही करती हैं। गड़बड़ियों की रिपोर्टिंग में देरी, मामूली मुद्दे बताकर बड़ी खामियों को छिपाना, रिपीट डिफेक्ट की कोई स्पष्ट जानकारी न देना, और उड़ानों की देरी को सिर्फ "ऑपरेशनल कारण" बताकर आगे बढ़ जाना, नियमों की इस कमजोरी के कारण पिछले कुछ महीनों में कई महत्वपूर्ण सुरक्षा घटनाएं सामने आईं। इसके अलावा यात्रियों की नाराजगी भी बढ़ती जा रही थी क्योंकि देरी और कैंसिलेशन की घटनाएं लगातार बढ़ रहीं थीं।

चीन की नजर रूस की जमीन पर:

-व्लादिवोस्तोक और अमूर ओब्लास्ट में बढ़ता दबाव

बीजिंग/मॉस्को (एजेंसी)। यह रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक स्थिति की ओर इशारा करती है, जिसमें चीन और रूस के बीच सीमा विवाद और ऐतिहासिक दावों की नई चर्चा सामने आ रही है। रूस के साइबेरियाई इलाके, विशेष रूप से व्लादिवोस्तोक और अमूर ओब्लास्ट का एक आईलैंड, अब चीन की नजर में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन इन क्षेत्रों पर अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए लंबे समय से रणनीति बना रहा है। अमेरिकी मैगजीन न्यूजवीक की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी सरकार इन इलाकों के पास कृषि भूमि खरीद रही है और लंबे समय के लिए लीज पर ले रही है। ऐसे लेन-देन हाल के वर्षों में तेजी से बढ़े हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यह गतिविधि सिर्फ निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक चाल भी हो सकती है, जिससे वह भविष्य में इन क्षेत्रों पर अपना दायरा बढ़ा सके। इतिहास पर नजर डालें तो यह इलाके पहले चीन के किंग साम्राज्य का हिस्सा रहे हैं। 19वीं सदी में, लगभग 150 साल पहले, किंग राजवंश ने मजबूरी और भू-राजनीतिक दबाव के चलते इन इलाकों को रूसी साम्राज्य को सौंप दिया था। उस समय यह सौदा चीन की सैन्य और आर्थिक कमजोरियों का परिणाम था। लेकिन आज की स्थिति में चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत ने उसे अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की क्षमता दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन की हाल की गतिविधियों से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि वह भविष्य में इन इलाकों पर अपना दावा दोबारा प्रस्तुत कर सकता है। व्लादिवोस्तोक और अमूर ओब्लास्ट में चीन की आर्थिक हिस्सेदारी, विशेष रूप से कृषि और भूमि लीज के माध्यम से, एक तरह से उसे रूस के प्रति दबाव बनाने का मौका देती है।

उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी:

-MP में पारा 3°C, राजस्थान 3.7°C; उत्तराखंड जम गया, मैदानी राज्यों में ठिठुरन तेज

नई दिल्ली । यह समय सर्द हवाओं का है और पूरे उत्तर भारत में तापमान तेजी से नीचे गिरने लगा है। पहाड़ों पर लगातार बर्फबारी और हिमालयी क्षेत्र में बन रहे वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) ने मैदानी इलाकों तक ठंड का असर पहुंचा दिया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में सर्दी और तेज़ हो सकती है, क्योंकि 13 दिसंबर से वेस्टर्न डिस्टरबेंस का प्रभाव और ज्यादा सक्रिय होने वाला है।

मध्य प्रदेश में पारा 3°C तक पहुंचा-

मध्य प्रदेश इन दिनों कड़ाके की ठंड का सामना कर रहा है। राज्य के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 3°C तक पहुंच गया है। सुबह-सुबह कोहरा छाया रहता है और शाम होते ही ठिठुरन बढ़ जाती है। राजधानी भोपाल सहित ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में तापमान सामान्य से कई डिग्री नीचे रिकॉर्ड किया जा रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 48 घंटों में तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है।

राजस्थान में 20 से ज्यादा जिलों में तापमान 10°C से नीचे-

राजस्थान में भी ठंड का दौर लगातार तेज होता जा रहा है। राज्य के 20 से अधिक जिलों में न्यूनतम तापमान 10°C से नीचे दर्ज किया गया। शेखावाटी क्षेत्र का फतेहपुर सबसे ज्यादा ठंडा रहा, जहां पारा 3.7°C तक गिर गया। बीकानेर, चूरू, झुंझुनूं, जयपुर और सीकर में सुबह के समय सर्द हवा के झोंकों के साथ कोहरा भी देखा गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले 2-3 दिन और ठंड बढ़ेगी क्योंकि उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाएं तापमान को लगातार नीचे धकेल रही हैं।

उत्तराखंड में झरने और पाइपलाइन जमने लगे-

पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में सर्दी चरम पर पहुंच चुकी है। चमोली और पिथौरागढ़ में कई जगह झरने जम चुके हैं और पाइपलाइनों में पानी बर्फ की परत में बदल गया है। केदारनाथ में तापमान -15°C तक गिर गया है, जबकि बद्रीनाथ में पारा -13°C के नीचे पहुंच गया। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लोगों को पानी गर्म कर के इस्तेमाल करना पड़ रहा है और कई गांवों में जलापूर्ति बाधित हो गई है। वहीं, पर्यटक स्थलों पर बर्फबारी का सिलसिला जारी है, जिसके कारण स्थानीय लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है।

हरियाणा और बिहार में भी ठंड हुई तेज-

मैदानी इलाकों में हरियाणा और बिहार में भी सर्दी बढ़ने लगी है। हरियाणा के 4 जिलों में तापमान 7°C से नीचे पहुंच गया।

कई राज्यों में SIR डेडलाइन बढ़ने की संभावना, यूपी-बंगाल शामिल

-आज वोटर वेरिफिकेशन की अंतिम तारीख

नई दिल्ली । देश में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है और आज 11 दिसंबर को वोटर वेरिफिकेशन की मौजूदा तय आखिरी तारीख है। इसी बीच चुनाव आयोग में चल रही तैयारियों और रिव्यू मीटिंग को देखते हुए यह संकेत मिल रहे हैं कि कुछ राज्यों में SIR की डेडलाइन एक बार फिर बढ़ाई जा सकती है। चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से NDTV की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत कुछ अन्य राज्यों के लिए यह तारीख आगे बढ़ाई जा सकती है। इससे पहले आयोग ने केरल के लिए समयसीमा बढ़ाई थी—11 दिसंबर की जगह अब वहां 18 दिसंबर तक फॉर्म जमा किए जा सकते हैं।

EC आज करेगा देशभर की प्रोग्रेस का रिव्यू-

चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारी आज गुरुवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। इस मीटिंग में— फॉर्म 6, 7, 8 (मतदाता जोड़ने, हटाने और सुधार से जुड़े फॉर्म) के डिजिटाइजेशन की प्रगति अब तक जमा हुए फॉर्मों की संख्या, राज्यों की तैयारियों और फील्ड स्तर की स्थिति, इन सभी मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। इसी समीक्षा के आधार पर आयोग यह निर्णय ले सकता है कि किन राज्यों में समय सीमा बढ़ाने की आवश्यकता है। सूत्रों के अनुसार उत्तरी राज्यों में फॉर्म जमा करने की गति धीमी है, जबकि बंगाल में त्योहारों और मौसम की वजह से प्रक्रियाएं प्रभावित हुई हैं।

30 नवंबर को पहले ही 7 दिन बढ़ाई जा चुकी है समय सीमा-

यह गौर करने वाली बात है कि चुनाव आयोग इससे पहले 30 नवंबर को ही SIR की डेडलाइन एक सप्ताह बढ़ा चुका है। पहले एन्यूमरेशन पीरियड 4 दिसंबर तक था, जिसे बढ़ाकर 11 दिसंबर किया गया। फाइनल पब्लिकेशन की तारीख 14 फरवरी 2026 तय की गई। मतलब, अगर आज की बैठक में कुछ और राज्यों को राहत दी जाती है, तो SIR प्रक्रिया दूसरी बार बढ़ाई जाएगी।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने में भी बदलाव-

पहले ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन आयोग ने इसे एक हफ्ता आगे बढ़ाकर 16 दिसंबर कर दिया है। इस बदलाव का कारण स्पष्ट है—ज्यादा संख्या में फॉर्म जमा हो रहे हैं और बड़े राज्यों में डिजिटाइजेशन समय ले रहा है। चुनाव आयोग चाहता है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं और किसी भी फर्जी या अवांछित एंट्री को शामिल न किया जाए।

क्या होता है SIR — क्यों होता है महत्वपूर्ण?

स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी SIR वह प्रक्रिया है जिसमें— नए वोटर जोड़े जाते हैं, पते बदलने वाले मतदाताओं की जानकारी अपडेट की जाती है, मृत या स्थानांतरित हो चुके वोटरों के नाम हटाए जाते हैं, बूथ-स्तरीय अधिकारियों (BLOs) द्वारा घर-घर जानकारी सत्यापित की जाती है। यह वोटर लिस्ट की सटीकता बढ़ाने की एक बड़ी कवायद है, जो हर चुनाव से पहले बेहद अहम मानी जाती है। 2026 की शुरुआत में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और 2026 की आखिरी तिमाही में लोकसभा चुनाव की तैयारियां भी शुरू होंगी। इसलिए आयोग कोशिश कर रहा है कि फरवरी 2026 तक एक बिल्कुल साफ-सुथरी और अद्यतन वोटर लिस्ट तैयार हो जाए। सूत्रों के मुताबिक जिन 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में SIR की प्रक्रिया जारी है, उनमें से कुछ को आज राहत मिल सकती है। इन राज्यों पर निगाह है— उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, असम, पंजाब, उत्तराखंड, हालांकि अंतिम निर्णय बैठक के बाद ही सामने आएगा।

पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट:

-चीन के लोन पर बने प्रोजेक्ट में भारी भ्रष्टाचार, टूरिस्ट नहीं आए

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में चीन के लोन से बने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। 2012 में इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 620 करोड़ रुपए थी, जो बाद में बढ़कर 892 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। जांच के बाद नेपाल की कमिशन फॉर इन्वेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथॉरिटी (CIAA) ने 5 पूर्व मंत्रियों, 10 पूर्व सचिवों सहित कुल 55 लोगों और चीनी कंपनी चाइना CAMC इंजीनियरिंग कंपनी पर लिमिटेड का मामला भ्रष्टाचार है। पोखरा दर्ज किया को कभी एयरपोर्ट "गेटवे ऑफ वर्ल्ड" के रूप में पेश किया गया था और इसे पश्चिमी नेपाल का अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हब बनाने का दावा किया गया था। यह प्रोजेक्ट चीन के एग्जिम बैंक से लोन लेकर बनाया गया था और नेपाल की पर्यटन क्षमता को दोगुना करने वाला बताया गया था। लेकिन ढाई साल के संचालन में यहां सिर्फ 45 अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स हुईं और लगभग 3,000 यात्री ही पहुंचे। हिमालयन एयरलाइंस और सिचुआन एयरलाइंस ने कुछ टेस्ट फ्लाइट्स चलाईं, लेकिन नियमित सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। जांच में पता चला कि प्रोजेक्ट की लागत में लगभग 272 करोड़ रुपए की संदिग्ध बढ़ोतरी हुई। यह नेपाल के इतिहास के सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामलों में से एक माना जा रहा है। भ्रष्टाचार के कारण एयरपोर्ट का उद्देश्य पूरी तरह विफल हो गया और इसे पर्यटन हब बनाने का सपना अधूरा रह गया। विशेषज्ञों का कहना है कि लोन और विदेशी निवेश के बावजूद अगर परियोजना में पारदर्शिता और सही योजना नहीं होगी तो बड़े प्रोजेक्ट भी असफल हो सकते हैं। पोखरा एयरपोर्ट मामला इस बात का उदाहरण है कि सिर्फ भव्य निर्माण और बड़े निवेश से परिणाम नहीं आते, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

मेक्सिको ने 2026 से भारत, चीन समेत 5 एशियाई देशों पर 50% तक टैरिफ लगाने का फैसला

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको ने 2026 से भारत, चीन और अन्य एशियाई देशों पर भारी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। बुधवार को मेक्सिको की संसद ने यह ऐलान किया कि जिन देशों के साथ मेक्सिको का कोई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं है, उनके आयातित सामान पर 50% तक का टैरिफ लगाया जाएगा। इस नए नियम के तहत मुख्य रूप से चीन, भारत, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। इन देशों का मेक्सिको के कुल आयात में बड़ा हिस्सा है। उदाहरण के लिए, 2024 में मेक्सिको का कुल आयात $253.7 अरब रहा, जिसमें इन देशों से व्यापार घाटा लगभग $223 अरब था। इस कानून के लागू होने के बाद लगभग 1,400 तरह के सामान महंगे हो जाएंगे। इनमें कारें, ऑटो पार्ट्स, कपड़े और टेक्सटाइल, प्लास्टिक के उत्पाद, स्टील और जूते-चप्पल प्रमुख हैं। ज्यादातर सामान पर 35% तक और कुछ महंगे उत्पादों पर 50% तक का टैरिफ लगाया जाएगा। मेक्सिको सरकार का कहना है कि यह कदम अमेरिकी बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने और अमेरिका को खुश करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह नीति मेक्सिको के व्यापारिक संतुलन को ठीक करने के लिए भी जरूरी है। हालांकि, विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी है कि इससे एशियाई देशों के साथ व्यापार संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। भारत और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदारों के लिए यह चुनौती होगी, क्योंकि इनके सामान पर टैरिफ बढ़ने से वहां की कंपनियों के लिए मेक्सिको में व्यापार महंगा हो जाएगा। वहीं, मेक्सिको में इन उत्पादों की कीमतों में भी इजाफा होगा, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर, यह कदम मेक्सिको की व्यापार नीति में बड़ा बदलाव दर्शाता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,